सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 258 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 1 जुलाई 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

अब तक स्वदेश नहीं लौटी रोहित की सेना? वापसी में लग सकते हैं कुछ और दिन

बारबाडोस (एजेंसी)। भारत ने शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफसात रनों से जीत दर्ज कर टी20 विश्व कप 2024 का खिताब अपने नाम कर लिया। अब भारतीय फैंस को रोहित शर्मा की सेना का इंतजार है। हालांकि, अब तक टीम इंडिया की रवानगी को लेकर कोई अपडेट नहीं आया है। इस बीच खबर है कि बारबाडोस में तूफान की वजह से भारतीय टीम की वापसी में कुछ और दिन लग सकते हैं।

रोहित की कप्तानी में जीता भारत

रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने 17 साल बाद टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। इससे पहले 2007 में तत्कालीन कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में टीम इंडिया ने पहला खिताब जीता था। इस टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। यही वजह है कि फैंस उनसे मिलने के लिए बेताब हैं। हालांकि, अभी कुछ दिन प्रशंसकों को और इंतजार करना पड़ सकता है।

कैसा है बारबाडोस का मौसम?

दरअसल, बारबाडोस का मौसम पिछले कुछ दिनों से खराब है। मौसम रिपोर्ट के अनुसार, अगले कुछ घंटों में वहां चक्रवाती तूफान की आशंका जताई गई है। वहीं, 170-200 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। इस स्थिति में ब्रिजटाउन के हवाई अड्डे को बंद कर दिया गया है। वहीं, टीम इंडिया को होटल में ही रुकने को कहा गया है। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि बीसीसीआई उनके लिए चार्टर प्लेन की व्यवस्था कर सकती है।

वित्त मंत्री की पहल पर 17 कॉलेजों के लिए 80 करोड़ स्वीकृत

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशन पर वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने राज्य के उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उन्होंने राज्य के 17 महाविद्यालयों के लिए 79 करोड़ 19 लाख की राशि स्वीकृत की है। यह निर्णय शिक्षा क्षेत्र में गुणवत्ता और प्रगति की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, इससे राज्य के महाविद्यालयों में शिक्षा और अनुसंधान क्षमताओं में सुधार करने का अवसर मिलेगा। इस राशि का उपयोग शिक्षा सेवाओं के विस्तार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए किया जायेगा। राज्य के युवाओं को नवीनतम, उन्नत और विशेषज्ञता प्राप्त करने के भी अवसर मिलेंगे।

कवर्धा में दर्ज हुई देश की पहली एफआईआर

रात 12 बजे से लागू हुआ नया कानून तो 12.30 हुआ अपराध दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। अंग्रेजों के जमाने के कानून आज से निष्प्रभावी हो गए। आईपीसी, सीआरपीसी और भारतीय साक्ष्य अधिनियम बदल गए हैं। इनकी जगह अब भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम ने ले ली है। संसद के पिछले कार्यकाल में लाए गए तीन कानूनों को मंजूरी मिलने के बाद अब इन्हीं कानूनों के तहत न्यायिक प्रक्रियाओं में तेजी और पारदर्शिता लाने की महत्वपूर्ण कोशिश होगी। इन्हीं तीनों में से एक कानून भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में देश की पहली एफआईआर दर्ज हुई है। कवर्धा पुलिस ने मारपीट की घटना की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए बीएनएस की धारा 296,351 (2) के तहत पहला एफआईआर दर्ज किया। नक्सल प्रभावित कबीरधाम जिले में कबीरधाम पुलिस ने मारपीट मामले में नए कानून की मूल भावना (पीड़ित को त्वरित न्याय) के तहत त्वरित कार्यवाही करते हुए बीएनएस की धारा 296, 351 (2) के तहत पहला एफआईआर दर्ज किया। यह एफआईआर 1 जुलाई, 2024 की सुबह 12 बजे दर्ज किया गया।

रिपोर्ट के मुताबिक पीड़ित इतवारी पंचेश्वर पिता सहदेव निवासी मोहनटोला थाना रेंगाखार जिला कबीरधाम द्वारा पुलिस को लिखित सूचना मिली कि आरोपी गोलू ठाकरे सकिन रेंगाखार ने ट्रैक्टर के कागजात नही देने की बात कहते हुए पीड़ित के साथ मारपीट व गालीगलौज किया। इस पर तत्काल संज्ञान लेते हुए थाना रेंगाखार में पीड़ित द्वारा लिखित आवेदन प्रस्तुत किए जाने पर रात्रि 12.30 बजे बीएनएस की धारा के तहत अपराध दर्ज किया गया। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले के थाना रेंगाखार में नए कानून के तहत देश का पहला एफआईआर दर्ज होना भारत के नए कानूनों के माध्यम से आम नागरिकों को त्वरित न्याय दिलाकर नए कानूनों की मूल भावना के क्रियान्वयन की शुरुआत का प्रतीक है।

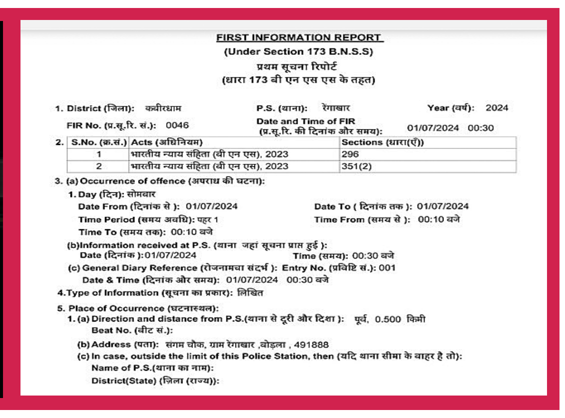

FIRST INFORMATION REPORT
(Under Section 173 B.N.S.S)
प्रथम सूचना रिपोर्ट
(धारा 173 बी एन एस एस के तहत)

1. District (जिला): कबीरधाम P.S. (थाना): रेंगाखार Year (वर्ष): 2024
FIR No. (प्र.सू.रि. सं.): 0046 Date and Time of FIR (प्र.सू.रि. की दिनांक और समय): 01/07/2024 00:30

2. S.No. (क्र.सं.)	Acts (अधिनियम)	Sections (धारा(एँ))
1	भारतीय न्याय संहिता (बी एन एस), 2023	296
2	भारतीय न्याय संहिता (बी एन एस), 2023	351(2)

3. (a) Occurrence of offence (अपराध की घटना):
1. Day (दिन): सोमवार
Date From (दिनांक से): 01/07/2024 Date To (दिनांक तक): 01/07/2024
Time Period (समय अवधि): पहर 1 Time From (समय से): 00:10 बजे
Time To (समय तक): 00:10 बजे
(b) Information received at P.S. (थाना जहां सूचना प्राप्त हुई): Date (दिनांक): 01/07/2024 Time (समय): 00:30 बजे
(c) General Diary Reference (रोजनामचा संदर्भ): Entry No. (प्रविष्टि सं.): 001
Date & Time (दिनांक और समय): 01/07/2024 00:30 बजे
4. Type of Information (सूचना का प्रकार): लिखित
5. Place of Occurrence (घटनास्थल):
1. (a) Direction and distance from P.S. (थाना से दूरी और दिशा): पूर्व, 0.500 किमी
Beat No. (बीट सं.):
(b) Address (पता): संगम चौक, ग्राम रेंगाखार, बोड़ला, 491888
(c) In case, outside the limit of this Police Station, then (यदि थाना सीमा के बाहर है तो):
Name of P.S. (थाना का नाम):
District(State) (ज़िला (राज्य)):

न्याय के लिए प्रतिबद्ध : पल्लव

एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव ने कहा कि यह दर्शाता है कि हम अपने नागरिकों को न्याय दिलाने के लिए कितने प्रतिबद्ध हैं। इस त्वरित कार्रवाई से न केवल पीड़ित को समय पर न्याय मिलेगा, बल्कि समाज में यह संदेश भी जाएगा कि कानून और न्याय प्रणाली उनकी सुरक्षा और अधिकारों के लिए हमेशा तत्पर है। हमारी टीम की तत्परता और समर्पण इस बात का प्रतीक है कि हम न्याय की दिशा में हर संभव कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एसपी डा. अभिषेक ने कहा, नए आपराधिक कानूनों के लागू होने से देश की न्यायिक प्रणाली में एक नया दौर शुरू होगा, जो न केवल अभियुक्तों के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई की सुनिश्चित करेगा, बल्कि यह भी साबित करेगा कि सरकार न्यायिक प्रक्रियाओं को सुदृढ़ और सुरक्षित बनाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। नया कानून भारतीय समाज को एक न्यायपूर्ण, समान और सुरक्षित समाज की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बकौल एसपी, कबीरधाम में दर्ज हुआ ऐतिहासिक एफआईआर हमारी न्यायिक प्रणाली में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और यह साबित करता है कि नए कानूनों के तहत हर नागरिक को त्वरित और निष्पक्ष न्याय मिलेगा, और हमारा समाज अधिक न्यायपूर्ण और समतामूलक बनेगा।

नक्सल प्रभावित जिले में पहला एफआईआर ऐतिहासिक

नक्सल प्रभावित जिले में नए कानून भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत पहला एफआईआर दर्ज होना महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण है। इससे स्पष्ट होता है कि ये कानून न केवल न्यायिक प्रक्रियाओं में सुधार लाने का प्रयास कर रहे हैं, बल्कि उनका मुख्य उद्देश्य है समाज में न्याय और पारदर्शिता को बढ़ावा देना। गौरतलब है कि इन कानूनों को मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में संसद की मंजूरी मिली थी। मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद उसे आज 1 जुलाई से लागू किया गया। इससे पहले अंग्रेजों के द्वारा बनाए गए कानूनों के आधार पर ही अपराध दर्ज होते थे। इन कानूनों को लागू करने का मुख्य उद्देश्य त्वरित न्याय मिलना है।

इसलिए बना है नया कानून

भारत के नए कानून, विशेष रूप से भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) का उद्देश्य देश की न्यायिक प्रणाली को अधिक आधुनिक और प्रगतिशील बनाना है। 160 साल पुराने अंग्रेजों द्वारा बनाए गए कानून भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी), और इंडियन एविडेंस एक्ट को प्रतिस्थापित कर ये 3 नए कानून भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) लाए गए हैं। इनका मुख्य उद्देश्य न्यायिक प्रक्रियाओं में तेजी और पारदर्शिता लाना है, जिससे हर नागरिक को त्वरित और निष्पक्ष न्याय मिल सके। नए कानून के तहत दर्ज प्रथम एफआईआर पर कबीरधाम जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक पल्लव ने कहा कि नए कानूनों का उद्देश्य हर नागरिक को त्वरित और निष्पक्ष न्याय सुलभ कराना है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के प्रावधानों के तहत हमने यह सुनिश्चित किया है कि न्यायिक प्रक्रियाएं अधिक प्रभावी और पारदर्शी हों। आज की घटना में पीड़ित के आवेदन पर तुरंत कार्यवाही करते हुए पुलिस द्वारा तत्काल एफआईआर दर्ज करना नए कानूनों की प्रभावशीलता का स्पष्ट प्रमाण है। उन्होंने कहा कि नए आपराधिक कानूनों के लागू होने से देश की न्यायिक प्रणाली में एक नया दौर शुरू होगा, जो न केवल अभियुक्तों के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करेगा, बल्कि यह भी साबित करेगा कि सरकार न्यायिक प्रक्रियाओं को सुदृढ़ और सुरक्षित बनाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

सीएम साय ने नए कानूनों पर आधारित पुस्तक का किया विमोचन, मिलेंगी महत्वपूर्ण जानकारी

रायपुर। देश में एक जुलाई से नए कानून लागू हो गए हैं। अंग्रेजो के जवाने से चली आ रही धाराओं में संशोधन हुआ और नई धाराएं बनाई गई। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोमवार को कानून की इन्हीं नई धाराओं पर आधारित एक पुस्तक का विमोचन किया। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव गृह विभाग मनोज पिंगुआ, डीजीपी अशोक जुनेजा, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, बसव राजू एस. एवं पुलिस विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। इस मौके पर सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम आज से देशभर में लागू हो गए हैं। वर्षों पुराने अंग्रेजी कानूनों की जगह नए कानून लेंगे जिनमें दंड के स्थान पर न्याय को प्राथमिकता दी गई है। तीन नए आपराधिक कानूनों को लेकर महत्वपूर्ण जानकारियों का संकलित कर इस संग्रह को बनाया गया है। छत्तीसगढ़ पुलिस की इस विशेष पहल से नवीन कानूनों को समझना आसान होगा। यह पुस्तक पुलिस अधिकारियों और विवेचकों के लिए महत्वपूर्ण संदर्भ होगी और अपराधों की विवेचना में भी उपयोगी होगी। नवीन कानूनों के बेहतर क्रियान्वयन के लिए छत्तीसगढ़ सरकार शुरू से ही प्रयासरत रही है।

डॉक्टर्स डे पर हुआ कमाल, इमरजेंसी में नर्स ने 108 में करवाई महिला की डिलीवरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। डॉक्टर्स डे पर दुर्ग जिले में एक कमाल हुआ है। पूरे विश्व में सोमवार को डॉक्टर्स डे मनाया जा रहा है वहीं दुर्ग जिले के ग्रामीण क्षेत्र से बड़ी खबर सामने आई है। दरअसल एक महिला को प्रसव पीड़ा हुई तो नर्स ले 108 एंबुलेंस में ही उसकी सफल डिलीवरी करा दी। इससे महिला व उसके परिवार के चेहरे पर मुस्कान आ गई।

मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को मेडिकल इमरजेंसी के लिए 108 संजीवनी को पॉइंट मिला। भानपुरा में रहने वाली महिला प्रीति पाल (30) को अचानक प्रसव पीड़ा हुई। सूचना पर मौके पर पर पहुंचे 108 संजीवनी से महिला को ले जाया जा रहा था। इस दौरान महिला का लेबर पेन और तेज हो गया। जिससे भानपुरा से करीब 3 किलोमीटर की दूरी पर कोरिया गांव में एंबुलेंस को किनारे लगाकर 108 में मौजूद नर्स ने आपातकालीन चिकित्सा शुरू की। उन्होंने महिला की जांच की और एंबुलेंस में ही डिलीवरी करवाई।

नर्स के प्रयास से मां और बच्चे को नई जिंदगी मिली। डिलीवरी करवाने वाली नर्स का नाम भुवनेश्वरी देशमुख जो कि पिछले काफी समय से ऐसे इमरजेंसी मामले को देख चुकी है। डिलीवरी के बाद नर्स एंबुलेंस के साथ लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल पहुंच गई है। भुवनेश्वरी देशमुख ने जानकारी देते हुए बताया कि मां और बच्चे को पास के ही एक गांव के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां जच्चा और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं।

जिला अस्पताल दुर्ग में स्टॉप डायरिया कैंपेन 2024 का शुभारंभ

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में सोमवार को जिला अस्पताल में स्टॉप डायरिया कैंपेन 2024 का उद्घाटन किया गया। जिसमें 05 वर्ष से कम आयु के बच्चों में दस्त रोग से होने वाले मृत्यु दर शून्य करने का लक्ष्य रखा गया है। इस कार्यक्रम के तहत छोटे बच्चों वाले समस्त घरों में मितानिनों के माध्यम से ओ.आर.एस. पैकेट व जिंक की गोलियां वितरित किया जायेगा। कलेक्टर सुश्री चौधरी के द्वारा समस्त आम जनता से अपील की गयी है कि ज्यादा से ज्यादा इस कार्यक्रम का लाभ उठाये। उन्होंने जिला चिकित्सालय में भर्ती मरीजों को ओ.आर.एस. पैकेट एवं जिंक की गोलियां वितरित की। उद्घाटन समारोह सी.एम.एच.ओ. डॉ. मनोज दानी, डॉ. हेमंत कुमार साहु सिविल सर्जन, डॉ. दिव्या श्रीवास्तव डी.आई.ओ., डॉ. आर. के. मल्होत्रा, डॉ. सीमा जैन शिशु रोग विशेषज्ञ, डॉ. अखिलेश यादव आरएमओ अजय परिहार डी.पी.ओ. महिला एवं बाल विकास अधिकारी, संदीप ताम्रकार डी.पी.एम, डॉ. ओम प्रकाश वर्मा अस्पताल सलाहकार, संजीव दुबे, सी.पी.एम., डॉ. रश्मि भोषले, एवं कार्यालय सी.एम.एच.ओ. व जिला अस्पताल के स्टाफ भी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ सहित 19 राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी, ऑरेंज अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण पश्चिम मानसून लगभग पूरे देश में पहुंच गया है। देश के अधिकांश क्षेत्रों में मूसलाधार बारिश हो रही है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। वहीं, बिजली गिरने से यूपी में पांच लोगों की मौत हुई है और सात लोग घायल हुए हैं। वहीं छत्तीसगढ़ में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। असम में ब्रह्मपुत्र और सहायक नदियों में उफान आने से बाढ़ के हालात बिगड़ गए। दो लोगों की जान भी चली गई। मौसम विभाग ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत 19 राज्यों में तीन-चार दिन भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। अरुणाचल प्रदेश के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है।

पंजाब से लेकर बंगाल तक झमाझम बरसेंगे मेघ

उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, पूर्वी राजस्थान, छत्तीसगढ़, बिहार, उप-हिमालयी क्षेत्र, पश्चिम बंगाल, सिक्किम और असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर तीन जुलाई तक भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। साथ ही दिल्ली, ओडिशा, मध्य प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम व त्रिपुरा में छिटपुट स्थानों पर बारिश दर्ज की गई। वही, भारी बारिश के कारण अहमदाबाद में सड़क धंस गई है।

एक-दो दिन में पूरे देश में पहुंच जाएगा मानसून

मौसम विभाग के अनुसार, मानसून पंजाब, पश्चिम राजस्थान और हरियाणा के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ा है। इसने उत्तर प्रदेश, जम्मू और हिमाचल प्रदेश के सभी' भागों को कवर कर लिया है। अगले दो से तीन दिन में पश्चिमी राजस्थान, हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब के शेष भागों में पहुंचते ही मानसून पूरे देश को कवर कर लेगा।

कोई 25 में लुंज तो कोई 75 में भी फिट

श्रीकंचनपथ

इंसानों के बारे में यह हकीकत तो हम सभी जानते हैं. कोई-कोई 25 साल की उम्र में ही लुंज हो जाता है तो कोई 75 साल की उम्र में भी प्रतिदिन 12 से 16 घंटे तक काम कर लेता है। स्वयं प्रधानमंत्री मोदी इस बात का जीता जागता प्रमाण हैं। काम करने की इच्छा हो और शरीर का रखरखाव अच्छा हो तो उम्र कोई मायने नहीं रखती। यही बात गाड़ियों पर भी लागू होती है। इसलिए सेकण्ड-हैण्ड गाड़ियों के बाजार में डाक्टरों की गाड़ियों की अच्छी कीमत मिल जाती है। ये न केवल कम चली हुई होती हैं बल्कि ये अच्छे से मेन्टेन की गई होती हैं। पर पब्लिक और कमर्शियल ट्रांसपोर्ट के मामले में सरकार ने गाड़ियों की उम्र तय कर रखी है। एक उम्र के बाद साधारण ट्रक खदानों में चलने लगते हैं जहां उनकी बूढ़ी हड्डियां अपना दम-खम दिखाती हैं। पर टैंकरों के साथ ऐसा नहीं है। तेल ढोने का काम खत्म हुआ तो ये कबाड़ हो जाती है। हद से हद कोई छोटी म्यूनिसिपाल्टी उन्हें पानी ढोने का काम दे सकती हैं। दरअसल, ये गाड़ियां कबाड़ होती नहीं हैं। सरकार के नियम उन्हें कबाड़ बना देते हैं। तेल कंपनियां 8 साल से ज्यादा पुराने टैंकरों को काम से हटा देती हैं। ताजा आरटीओ घोटाला इसी समस्या के समाधान से जुड़ा है। पुरानी गाड़ियों में नए चेसिस नम्बर डल जाते हैं और पूर्वोत्तर के राज्यों से इन्हें नया रजिस्ट्रेशन नंबर भी मिल जाता है। इसके बाद एक बार फिर वो तेल ढोने के योग्य हो जाती हैं। सरकार को शायद इस बात का इल्म न हो पर कुछ लोग अपने वाहनों की देखभाल अपने बच्चे की भांति करते हैं। अपने हाथों से उसे नहलाते-धुलाते हैं, तेल-पानी चेक करते हैं। समय पर स्पेयर बदलते हैं और गाड़ी को हमेशा फिट रखते हैं। ड्राइवर और क्लीनर को लेकर भी वो बेहद सतर्क होते हैं। लापरवाह चालकों और हेल्परों को फौरन गाड़ी से उतार देते हैं। वैसे आरटीओ विभाग के पास जिम्मेदारी सिर्फ पंजीयन, नवीकरण और लाइसेंस की ही नहीं होती, गाड़ियों का फिटनेस चेक करने की भी होती है। पर लगता है कि सरकार को खुद इस विभाग पर ज्यादा भरोसा नहीं है। उसे लगता है कि पैसे खाकर आरटीओ के अफसर कबाड़ गाड़ियों को भी फिटनेस दे देंगे। इसलिए मजबूरन उसे 8 साल का नियम बनाना पड़ा। अगर यह विभाग अपनी जिम्मेदारी पूरी ईमानदारी से निभाता तो ये नौबत नहीं आती। अब आते हैं इसके अर्थशास्त्रीय पहलू पर। टैंकर की औसत कीमत 40 से 45 लाख रुपए होती है। तेल और मेंटेनेंस के अलावा ट्रांसपोर्टर को यह राशि भी 8 साल में निकालनी होती है। इससे ट्रांसपोर्ट की कीमत बढ़ जाती है जिसका असर तेल की कीमतों पर भी पड़ता है। इसलिए लोग 5-10 लाख में पुरानी गाड़ी खरीदकर उसका नया पंजीयन कराते हैं। अब जाकर मामला खुला है तो हायतौबा मची है।

संपादकीय

अंतरिक्ष में होड़

अमेरिका इन दिनों अंतरिक्ष में जूझ रहा है, वहीं चीन ने कामयाबी के नए झंडे गाड़ दिए हैं। अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर एक तरह से फंस गए हैं, तो दूसरी ओर, चीन चांद से मिट्टी लाने में कामयाब हो गया है। अंतरिक्ष स्टेशन को करीब 25 साल हो चुके हैं, अमेरिका, रूस, जापान, कनाडा, यूरोप के संयुक्त प्रयास से स्थापित अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर अब तक 270 से ज्यादा अंतरिक्ष यात्री जा चुके हैं, पर ऐसा पहली बार हुआ है कि अमेरिकी बोइंग स्टारलाइनर परियोजना का यान वहां एक तरह से फंस गया है। स्टेशन पर पहुंचने से पहले ही यान में हीलियम का रिसाव और थ्रस्टर में खराबी आ गई थी।

> यान को 14 जून को वापसी यात्रा करनी थी, पर अभी तक वह लौटा नहीं है और आशंका है कि इसे लौटने में 90 दिन तक लग सकते हैं। इतने दिनों में वैज्ञानिक यह कोशिश करेंगे कि यान की खराबी को दूर किया जा सके। अभी नासा यान की पृथ्वी पर वापसी की सटीक तारीख की कोई घोषणा नहीं कर पा रहा है।
> कुल मिलाकर, यही कहा जा सकता है कि अंतरिक्ष में फंसी भारतीय मूल की अमेरिकी सुनीता विलियम्स और अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री बुच विल्मोर को धरती पर लौटने में कुछ महीने लग सकते हैं।

नासा के वाणिज्यिक क्रू कार्यक्रम प्रबंधक स्टीव स्टिच ने कहा है कि अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी स्टारलाइनर की अवधि को 45 से 90 दिनों तक बढ़ाने के बारे में सोच रही है। वास्तव में, नासा किसी तरह का खतरा मोल नहीं लेना चाहता, दो अंतरिक्ष यात्रियों की बहुमूल्य जिंदगी का सवाल है। वैसे, बेहद प्रतिभावान व साहसी सुनीता विलियम्स, सहित दोनों अंतरिक्ष यात्री ज्यादा चिंतित नहीं हैं और निरंतर अपने प्रयोग में लगे हुए हैं। दोनों को घर लौटने की कोई जल्दी नहीं है। यह ध्यान देने की बात है कि अंतरिक्ष स्टेशन जब से बना है, वहां लगातार पांच या सात अंतरिक्ष यात्री रहते आए हैं। नासा के ताजा अभियान पर इसरो की भी नजर टिकी है। इसरो वैज्ञानिक एम अन्नादुराई ने बताया है कि किसी भी अंतरिक्ष कार्यक्रम को पारगमन करते समय यह देखना ही होगा कि अगली उड़ान के लिए सभी सिस्टम तैयार हैं या नहीं। स्टारलाइनर को लॉन्च करते समय भी यह देखा गया था और तब भी कुछ देरी हुई थी। इस बार भी कुछ देरी हो रही है और वैज्ञानिक सुरक्षा के प्रति सुनिश्चित होने के बाद ही उड़ान भरेंगे। वैसे यह ध्यान रखना होगा कि बोइंग का स्टारलाइनर कार्यक्रम वर्षों से सॉफ्टवेयर गड़बड़ियों, डिजाइन संबंधी समस्याओं और उप-ठेकेदार जैसे विवादों से जूझता रहा है।

अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़ी यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या अमेरिका पिछड़ने लगा है। दूसरी ओर, चीन का चांग-ई 6 अंतरिक्ष यान चंद्रमा के सुदूर हिस्से से मिट्टी के नमूने सफलतापूर्वक पृथ्वी पर वापस ले आया है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि अंतरिक्ष-अन्वेषण महाशक्ति के रूप में चीन की बढ़ती महत्वाकांक्षाओं की ओर संकेत करती है। गौरतलब है कि साल 2019 में चीनी यान चांद के सामने की ओर से नमूने लाने में कामयाब रहा था। चीन विज्ञान के क्षेत्र में विश्वसनीयता हासिल करने के प्रयास में लगा है और ठीक वैसी ही प्रतिस्पर्द्धा अमेरिका के साथ कर रहा है, जैसी पांच दशक पहले अमेरिका और सोवियत संघ के बीच होती थी। अगर इस प्रतिस्पर्द्धा का लाभ दुनिया को हो, तो यह बहुत सुखद व स्वागतयोग्य है। वैज्ञानिक सफलताओं की बड़ी जरूरत है, ताकि तरक्की और अमन-चैन को बढ़ावा मिले।

भारत ने 17 साल बाद जीता दूसरा विश्व कप

सुनील दास

आईसीसी टी-20 विश्कप भारत ने 17 साल बाद जीत लिया है। भारत ने दक्षिण अफ्रीका को एक रोमांचक मुकाबले में 7 रन से हराकर दूसरा टी-20वॉ विश्लकप जीता है। इससे पहले धोनी की कप्तानी में भाहर ने पहला विश्वकप जीता था। इसके बाद से भारत वन डे का विश्वकप जीता था और उसके बाद से भारत विश्वकप भाग जरूर लेता था लेकिन कप नहीं जीत पाता था तो देश के लोगों को बड़ी निराशा होती थी कि हमारा देश विश्व कप क्यों हीं जीतता है। इस बार रोहित शर्मा की कप्तानी में कप जीतकर वह इंतजार खत्म कर दिया और देश के लोगो को जश्न मनाने का मौका दिया। शनिवार की रात लोगों के लिए जश्न की रात रही। देश के ज्यादातर शहरो में लोगों ने भारत के विश्वकप जीतने का जश्न मनाया। जश्र मानाने वालों में बच्चे, युवा, बुजुर्ग सब थे। सब भारती की जीत पर झूम रहे थे। यह एक ऐतिहासिक मौका था क्योंकि यह भारत की जीत थी। पूरे देश के लोगों को इस पर गर्व था, यह गौरव का क्षण सालों के इंतजार के बाद आया था इसलिए रह कोई इस गौरव के क्षण के जी लेना चाहता था। यह वही वक्त होता है जब देश सही मायने में एक होता है और एक दिखता है। राज्य,भाषा, जाति, धर्म सब कल कुछ देर के लिए लोग भूल गए थे, उन्हें बस यही याद था कि वह भारतीय है और भारत ने विश्पकप जीता है। यह हमारी जीत है।

इस जीत के लिए रोहित शर्मा को देश के लोगों ने बधाई दी है। इस विश्वकप में रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत के खिलाड़ियों ने यादगार प्रदर्शन किया है। चैपियंन की तरह खेला है और चैंपियन की तरहज जीत हासिल की है। हर भारतीय केलिए यह खुशी का बात है कि भारत ने एक भी मैच नहीं हारा और विश्वकप जीता। इस मैच में भारत की जीत से 1983 में जीते विश्वकप की याद ताजा हो गई। इसी मेच की तरह उस विश्वकप के फाइनल में भी भारत ने इसी तरह पहले बल्लेबाजी कर कम स्कोर बनाया था और उस समय की सबसे मजबूत टीम को हराया भी था। उस वक्त कोई कल्पना नहीं करता था कि भारत वेस्टइंडीज को हरा सकता था। भारत ने तब नामुमकिन को मुमकिन किया था।

इस बार भी भारत ने टी-20 विश्वकप में एक तरह से नामुमकिन को मुमकिन किया है। भारत ने पहले बल्लेबाजी कर 176 रन बनाए। द. अफ्रीका जैसी टीम के लि यह कोई मुश्किल लक्ष्य नहीं था। सब यही मान रहे थे कि भारत यह मैत पिछले विश्व कप की तहह फाइनल में हार जाएगा। बल्लेबाजी में कई खिलाडियों ने निराश किया। लेकिन विराट कोहली ने 76 रन बनाकर फिर साबित किया कि वह देश के महान खिलाड़ी क्यों हैं। उनका अच्छा साथ अक्षर पटेल ने दिया वह अर्धशतर ननीं बना सके लेकिन उह्नोने भी ऐदिहासिक पारी खेली। दोनों की बदौलत ही भातर 176 रन बना सका। इसके बाद गेंदबाजों की पारी थी मैच को जिताने की और भारत के गैंदबाजों ने देश को निराश नहीं किया। जब उनकों विकेट लेना था, तब विकेट लेकर दिखाया कि हम भी कम नहीं है। हम भी मैचे जिता सकते हैं। भारतीय गैंदबाजों की असली परीक्षा तो आखिरी के तीन ओवर हुई। इन्हीं तीन ओवर फैसला होना था कि चैपियन कौन होगा। भारत के गेंदबाज भारी पड़े और तीन ओरवर में ऐसा गेंदबाजी की कि दक्षिण आफ्रीका के बल्लेबाज एक चौका व छक्का नहीं मार सके। इसके लिए अर्शदीप, बुमराह व हार्दिक पांडया की जितना तारीफ की जाए कम है। आखिरी ओवर में मैच जिताने की जिम्मेदारी पांडया की थी और उसने देस को जिताया तो पूरा दशे झूम उठा। देश के हर गली, मोहल्लों, चौक चौराहों पर आतिशबाजी शुरू हो गई। देर रात तक भारत की जीत का जश्न मनाया गया। जीत के इस माहौल मे देश के महान खिलाडी विरोट कोहली व रोहित शर्मा् ने अंतर्राष्ट्रीय टी-20 से संन्याया लेने की घोषणा की। यह सही वक्त था दोनों के लिए संन्यास लेने का। बहुत कम खिलाडियों को संन्यास लेने का ऐसा मौका मिलता था। विराट कोहली को उनकी महान पारियों के लिए याद किया जाएगा तो रोहित शर्मा को उनकी कूल-कूल कप्तानी के लिए याद किया जाएगा।

(ये लेखक के विचार हैं)

नजरिया

हमारी शिक्षा व्यवस्था को फेल करती परीक्षाएं

रूस के महान क्रांतिकारी व भूगोलविद पीटर क्रोपोटकिन ने 19वीं सदी के अंत या शायद 20वीं सदी की शुरुआत में एक छोटी सी पुस्तिका उन नौजवानों के लिए लिखी थी, जो अपनी स्कूली पढ़ाई खत्म करने के बाद कोई करियर अपनाना चाहते हैं। भारत में इसका हिंदी अनुवाद नवयुवकों से दो बातें शीर्षक से छपा था।

हरजिंदर, वरिष्ठ पत्रकार

क्रोपोटकिन इसमें बताते हैं कि जो डॉक्टर बनना चाहते हैं, उनकी सोच क्या होनी चाहिए और जो इंजीनियर-प्रोफेसर वगैरह बनना चाहते हैं, उनका जज्बा कैसा होना चाहिए? क्रोपोटकिन यह मानकर चल रहे थे कि जो बच्चे स्कूली शिक्षा पूरी कर चुके हैं, उन्होंने बहुत कुछ सीख-जान लिया होगा, इसके बाद असल सवाल उनकी सोच व जज्बे का ही बच जाता है। इससे ही अच्छे प्रोफेशनल तैयार हो सकते हैं, बाकी का ज्ञान तो वे जिस संस्थान में जाएंगे, वहां उनको मिल ही जाएगा। करियर अपनाने के लिए नीट, जेईई, नेट जैसी परीक्षाओं वाले हमारे समाज में सोच और जज्बा ही वे दो चीजें हैं, जिनको अब कोई नहीं पूछता। अक्सर कहा जाता रहा है कि भारत में शिक्षा व्यवस्था तो दरअसल है ही नहीं। बस एक परीक्षा व्यवस्था है। इसे जो पास कर लेता है, वह योग्य व विद्वान मान लिया जाता है। कुछ पढ़ा-नहीं पढ़ा, कुछ सीखा-नहीं सीखा इससे ज्यादा मतलब नहीं रह जाता। ज्ञान की असल कसौटी प्रश्न-पत्र में छपे कुछ सवाल हैं। किसी भी जुगत से उनको हल करने वाला हर बाधा को पार कर जाता है। क्या जाना, क्या समझा, क्या गुना, क्या सीखा इसके आगे ये सब निरर्थक हैं। यही वजह है कि बच्चा परीक्षा पास कर ले, इसके लिए अभिभावक कोई भी रकम चुकाने को तैयार हो जाते हैं। यहां तक कि परिवार के लोग, दोस्त-रिश्तेदार तो इसके लिए जान की बाजी तक लगाने को तैयार रहते हैं।

पूरी पीढ़ी के अच्छे भविष्य की बाधा जब परीक्षा ही है, तो व्यवसाय के इस युग में इसे पार कराने के बहुत से कारोबार भी शुरू हो गए हैं। कोचिंग है, ट्यूशन है, गाइड बुक हैं और अब तो ऑनलाइन व्यवस्थाएं भी हैं। बाकी कई कारोबार की तरह इस सारे कारोबार की निचले तल पर एक स्याह दुनिया भी है, जहां नियमित रूप से पेपर लीक होते हैं। कीमत दीजिए, प्रश्न-पत्र परीक्षा से पहले ही हासिल कर लीजिए। फिर भी अगर दिक्कत है, तो सॉल्वर गैंग है, वह आप तक प्रश्नों के जवाब भी पहुंचा देगा। यहां तक कि मोटी रकम लेकर आपकी जगह परीक्षा देने वाले भी मिल जाएंगे।

चंद साल पहले आईआईटी के कुछ विद्वान प्रोफेसरों ने कोचिंग संस्थानों को लेकर काफी कुछ कहा-लिखा था। उनके शब्दों में ये कोचिंग दरअसल ऐसे कारखाने हैं, जो आईआईटी प्रवेश परीक्षा पास करने योग्य नौजवान तैयार करते हैं। उनका कहना था कि हमें प्रतिभाशाली नौजवान चाहिए, कारखानों में तैयार युवक-युवतियां नहीं। मगर वे प्रोफेसर भी कोई समाधान नहीं दे सके। उन परीक्षाओं का विकल्प उनके पास भी नहीं था, जिनके लिए देश भर में हजारों कोचिंग कारोबार ही नहीं चल रहे, बल्कि एक ऐसा तंत्र भी बन गया है, जिसे कोचिंग माफिया कहा जाता है। इन प्रोफेसरों ने एक और बात कही थी, जो महत्वपूर्ण है। उनका कहना था कि स्कूली शिक्षा ऐसी होनी चाहिए कि उसके बाद कोचिंग की जरूरत न पड़े। मगर एक दूसरा सच यह भी है कि हमारे स्कूल भी बहुत हद तक कोचिंग संस्थानों सा काम करते हैं। उनका लक्ष्य भी बच्चों को परीक्षा पास कराना भर होता है।

इन दिनों लगभग हर दूसरी या तीसरी परीक्षा के पर्चे लीक हो रहे हैं और उनमें से कई को मजबूरीवश रद्द भी करना पड़ रहा है। नीट और नेट के मामले में जो सीबीआई की जांच चल रही हैं, उम्मीद है कि वे अंजाम तक पहुंचेंगी और दोषियों को सजा भी मिलेगी। मगर शायद समस्या इससे खत्म नहीं होगी। अगर ऐसा होता, तो हम न जाने कब अपराधमुक्त समाज बन चुके होते। वैसे भी शिक्षा की समस्याएं किसी फौजदारी से हल होने वाली चीज नहीं हैं। इसके लिए लंबे विमर्श की जरूरत है। जब तक तीन घंटे में प्रश्न-पत्र को हल करने की व्यवस्था बौद्धिकता व योग्यता का पैमाना बनी रहेंगी, इससे जुड़ी समस्याएं बढ़ती रहेंगी। इसलिए विकल्प खोजते समय उस सोच व जज्बे की जरूरत का भी ध्यान रखना होगा, जिसकी बात पीटर क्रोपोटकिन ने की थी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

महंगाई से लड़ने की कोशिश

सतीश सिंह

महंगाई और विकास के बीच संतुलन साधने के लिए मौद्रिक नीति समिति ने अपनी समीक्षा में रेपो दर को 6.5 प्रतिशत के दर पर यथावत रखा है। इसके पहले फरवरी, 2023 में इसमें बढ़ोतरी की गई थी। भारतीय रिजर्व बैंक मुख्य तौर पर रेपो दर में बढ़ोतरी करके महंगाई से लड़ने की कोशिश करता है।

जब रेपो दर अधिक होता है तो बैंकों को रिजर्व बैंक से महंगी दर पर कर्ज मिलता है, जिसके कारण बैंक भी ग्राहकों को महंगी दर पर कर्ज देते हैं। ऐसा करने से अर्थव्यवस्था में मुद्रा की तरलता कम हो जाती है और लोगों की जेब में पैसे न होने की वजह से वस्तुओं की मांग में कमी आती है और वस्तुओं व उत्पादों की कीमत अधिक होने के कारण इनकी बिक्री में कमी आती है, जिससे महंगाई में गिरावट दर्ज की जाती है। इसी तरह अर्थव्यवस्था में नरमी रहने पर विकासात्मक कायरे में तेजी लाने के लिए बाजार में मुद्रा की तरलता बढ़ाने की कोशिश की जाती है और इसके लिए भी रेपो दर में कटौती की जाती है, ताकि बैंकों को रिजर्व बैंक से सस्ती दर पर कर्ज मिले और सस्ती दर पर कर्ज मिलने के बाद बैंक भी ग्राहकों को सस्ती दर पर कर्ज दें।

मौजूदा समय में महंगाई दर सरकार और रिजर्व बैंक के लिए चिंता का सबब है। केयर एज रेटिंग के अनुसार कर्ज दर के नरम नहीं होने के बावजूद वित्त वर्ष 2023-24 में ऋण वृद्धि दर 16 प्रतिशत के आसपास रही है, और वित्त वर्ष 2024-25 में इसके 14 से 14.5 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है। ऐसी स्थिति भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बेहद सकारात्मक है। हालांकि, इसे अपवाद वाली स्थिति कहा जा सकता है। बहरहाल, कर्ज देने की रफ्तार में तेजी बनी रहने के कारण आर्थिक गतिविधियों और विकास दर, दोनों में तेजी आ रही है।

इसी वजह से रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2025 के लिए अपने विकास अनुमान को 7.00 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया है। वित्त वर्ष 2023-2024 की चौथी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 7.8 रही जबकि पिछले साल की समान तिमाही में 6.1 प्रतिशत रही थी। वहीं, वित्त वर्ष 2023-24 में जीडीपी वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत रही जो रिजर्व बैंक के अनुमान से 1.2 प्रतिशत अधिक है यानी रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान 7 प्रतिशत लगाया था। पिछले वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि दर 7 प्रतिशत रही थी। सांख्यिकी मंत्रालय के अनुसार विनिर्माण और खनन के क्षेत्र में मजबूत प्रदर्शन से आलोच्य अवधि में विकास दर तेज रही। विनिर्माण क्षेत्र में 9.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जो वित्त वर्ष 2022-23 में माइनस 2.2 प्रतिशत रही थी। खनन क्षेत्र में वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 7.1 प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई, जो वित्त वर्ष 2022-23 में 1.9 प्रतिशत रही थी। उल्लेखनीय है कि विनिर्माण क्षेत्र रोजगार सृजन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। खुदरा महंगाई अभी भी चिंता की बात है।

मई महीने में थोक महंगाई बढ़कर 15 महीनों के ऊपरी स्तर 2.61 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई जबकि फरवरी, 2023 में यह 3.85 रही थी। वहीं, अप्रैल 2024 में यह 1.26 प्रतिशत रही जो 13 महीने का उच्चतम स्तर था। मार्च, 2024 में यह 0.53 रही और फरवरी महीने में 0.20 प्रतिशत।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने 12 जून, 2024 को खुदरा महंगाई का आंकड़ा जारी किया था, जिसके अनुसार मई महीने में खुदरा महंगाई 4.75 प्रतिशत रही जो 12 महीने का निचला स्तर था। अप्रैल महीने में खुदरा महंगाई में कुछ कमी आई थी, लेकिन वह मई महीने से थोड़ी अधिक 4.83 प्रतिशत के स्तर पर थी। जून, 2023 में खुदरा महंगाई 4.81 प्रतिशत थी जबकि जुलाई, 2023 में यह 4.44 प्रतिशत रही थी। महंगाई का सीधा संबंध पर्चेजिंग पावर या खरीदने की क्षमता से है। उदाहरण के लिए यदि महंगाई दर 6 प्रतिशत है, तो अर्जित किए गए 100 रुपये का मूल्य सिर्फ 94 रुपये होगा।

इसलिए महंगाई के स्तर के अनुरूप निवेशकों को निवेश करना चाहिए अन्यथा उन्हें प्रतिफल कम मिलेगा। महंगाई का बढ़ना-घटना उत्पाद की मांग-आपूर्ति पर निर्भर करता है। अगर लोगों के पास पैसे ज्यादा होंगे तो ज्यादा उत्पाद खरीदेंगे और ज्यादा उत्पाद खरीदने से मांग बढ़ेगी और मांग के मुताबिक आपूर्ति नहीं होने पर उत्पादों की कीमत बढ़ेगी। इस तरह, बाजार महंगाई के दुष्चक्र में फंस जाएगा। बाजार में पैसों का अत्यधिक बहाव या उत्पाद की कमी महंगाई का कारण बनता है। वहीं, अगर मांग कम होगी और आपूर्ति ज्यादा होगी तो महंगाई कम होगी। ग्राहक खुदरा बाजार से सामान खरीदते हैं और बाजार में मौजूद उत्पादों की कीमत में हुए बदलाव को मापने का काम उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) करता है।

उत्पाद और सेवाओं के लिए जो औसत मूल्य चुकाया जाता है, सीपीआई उसी को मापता है। कच्चे तेल, उत्पादों की कीमतों, निर्माण की लागत के अलावा कई अन्य चीजें भी होती हैं, जो खुदरा महंगाई दर को तय करने में अहम भूमिका निभाती हैं। वर्तमान में लगभग 300 उत्पाद ऐसे हैं, जिनकी कीमतों के आधार पर खुदरा महंगाई दर तय होती है। इस तरह, किसी की क्रय शक्ति को निर्धारित करने में मुद्रास्फीति महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मुद्रास्फीति बढ़ने पर वस्तु एवं सेवा, दोनों की कीमतों में इजाफा होता है, जिससे व्यक्ति की खरीददारी क्षमता कम हो जाती है, और वस्तुओं एवं सेवाओं की मांग कम होती है। फिर, उनकी बिक्री कम हो जाती है, उनके उत्पादन में कमी आती है, कंपनी को घाटा होता है, कामगारों की छंटनी होती है, रोजगार सृजन में कमी आती है, आदि। इससे आर्थिक गतिविधियां धीमी पड़ जाती हैं, और विकास की गति बाधित होती है।

विगत कुछ महीनों से उधारी ब्याज दर के उच्च स्तर पर बने रहने के बावजूद ऋण वितरण में तेजी है और विकास दर की रफ्तार भी तेज बनी हुई है। वैसे, ऐसी स्थिति अपवाद वाली है। एचएसबीसी इंडिया का पीएमआई आंकड़ा मई, 2024 में 57.5 प्वॉइंट रहा, जो अप्रैल, महीने में 58.8 प्वॉइंट था, वहीं, कंपोजिट पीएमआई मई, 2024 में 60.50 प्वॉइंट था, जो अप्रैल 2024 में 61.50 प्वॉइंट रहा था। आंकड़ों से साफ है कि आर्थिक गतिविधियों में तेजी बनी हुई है। भारत में मुद्रास्फीति केंद्रीय बैंक द्वारा तय की गई सहनशीलता सीमा के अंदर रहने के बावजूद चिंताजनक स्तर पर है। इसलिए, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मौद्रिक समीक्षा में नीतिगत दरों को यथावत रखा गया है। मंहगाई को लेकर केंद्रीय बैंक बहुत ज्यादा संवेदनशील है, और यह महंगाई और विकास दर के बीच संतुलन बनाकर अर्थव्यवस्था को मजबूत रखना चाहता है, ताकि आम आदमी को परेशानी भी नहीं हो और विकास की रफ्तार भी तेज बनी रहे।

(ये लेखक के विचार हैं)

कारोबारी सुगमता का ध्यान

जीएसटी परिषद की बैठक में शनिवार को कई महत्त्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मोदी सरकार के तीसरी बार सत्ता में आने के बाद जीएसटी परिषद की इस पहली बैठक में रेलवे प्लेटफार्म टिकट, विश्राम कक्ष और प्रतीक्षालय सुविधाओं को जीएसटी मुक्त करने के महत्त्वपूर्ण फैसले के साथ ही सभी तरह के दूध के डिब्बों पर 12 फीसद की एक समान जीएसटी दर रखने का प्रस्ताव किया गया।

बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि अनुपालन बोझ कम करने और करदाताओं को राहत देने की गरज से भी कई सिफारिश की गई। कोशिश है कि कारोबारी सुगमता के लिए व्यवसायों के लिए प्रक्रियात्मक जटिलताएं कम की जाएं।

परिषद ने जीएसटी पंजीकरण आवेदकों के लिए बायोमीट्रिक-आधारित आधार प्रमाणीकरण के चरणबद्ध रोलआउट की सिफारिश की है। वित्त वर्ष 2017-18, 2018-19 तथा 2019-20 के लिए जीएसटी अधिनियम की धारा 73 के तहत जारी रिमांड नोटिस पर ब्याज जुर्माना माफी की भी सिफारिश है।

यह धारा उन मामलों से संबंधित है जिनमें धोखाधड़ी, दमन या गलतबयानी शामिल नहीं हैं। जो करदाता 31 मार्च, 2025 तक नोटिस में मांगी गई पूरी कर राशि का भुगतान करते हैं, उन्हें इस छूट से लाभ होगा।

किसी चालान या डेबिट नोट पर इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ लेने संबंधी मंजूरी भी दी जा रही है। छोटे करदाताओं को भी इस रूप में राहत मिलने वाली है कि वित्त वर्ष 2024-25 और उसके बाद के वर्षो के लिए रिटर्न दाखिल करने की समय सीमा 20 अप्रैल से बढ़ा कर 30 जून की जाएगी।

परिषद ने स्पष्ट किया है कि सभी प्रकार के स्प्रिंकलर पर 12 फीसद की एक समान जीएसटी दर लागू होगी। दूध के सभी डिब्बों पर उनकी सामग्री (स्टील, लोहा, एल्यूमीनियम) की परवाह किए बिना एक समान दर 12 फीसद की सिफारिश की गई है।

हिमाचल और जम्मू-कश्मीर के सेब उत्पादकों की अरसे से मांग को ध्यान में रखते हुए सभी प्रकार के कार्टन बक्सों और नालीदार व गैर-नालीदार कागज या पेपरबोर्ड, दोनों से बने उत्पादों के लिए 12 फीसद जीएसटी का प्रस्ताव है। वित्त मंत्री ने पेट्रोल व डीजल को जीएसटी के तहत लाने की सरकार की मंशा भी दोहराई। दरअसल, सिफारिशों में कारोबारी सुगमता को ध्यान में रखा गया है।

(राष्ट्रीय न्यूज एजेंसी)

अविरल यमुना दूर करेगी दिल्ली की प्यास

पंकज चतुर्वेदी

दिल्ली में यमुना नदी को नया जीवन देने के लिए नौ साल पहले राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण अर्थात एनजीटी ने एक आदेश दिया था कि नदी का जहां तक बहाव है, उसका सीमांकन किया जाए। हालांकि, यमुना द्वारा गर्मी में छोड़ी गई जमीन पर कब्जा करने में न सरकारी महकमे पीछे रहे और न ही भूमाफिया। इसके बाबत एक कमेटी भी बनी थी जिसे मौके पर जाकर उस स्थान तक चिन्हित करना था, जहां अपने सम्पूर्ण यौवन पर आने के दौरान नदी का अधिकतम विस्तार होता है।

कभी किसी ने नहीं जाना कि सावन-भादों में जब नदी उफान पर होती है तो उसे तसल्ली से बहने के लिए कितनी भूमि चाहिए। न ही कभी परवाह की गई कि नदी की गहराई कम होने से किस तरह समूचा जल-तंत्र गड़बड़ा रहा है। यह बात सरकारी दस्तावेजों में जरूर दर्ज है कि यमुना नदी के दिल्ली प्रवेश वजीराबाद बैराज से लेकर ओखला बैराज तक के 22 किलोमीटर में 9700 हेक्टेयर की कछार भूमि पर अब पक्के निर्माण हो चुके हैं। इसमें से 3638 हेक्टेयर को दिल्ली विकास प्राधिकरण खुद नियमित बना चुका है। इसके अलावा वैध-अवैध अतिक्रमण हर साल बढ़ रहे हैं।

समझना होगा कि अरावली से चलकर नजफगढ़ झील में मिलने वाली सहाबी नदी और इस झील को यमुना से जोड़ने वाली नैसर्गिक नहर का नाला बनना हो या फिर साकेत में खिड़की गांव का सात पुला या फिर लोधी गार्डन की नहरें, असल में ये सभी यमुना में जब कभी क्षमता से अधिक पानी आ जाता तो उसे जोहड़-तालाब में सहेजने का जरिया थीं। शहर को चमकाने के नाम पर इन सभी सदियों पुरानी संरचनाओं को तबाह कर दिया गया। अब न बरसात का पानी तालाब में जाता है और न ही बरसात के दिनों में सड़कों पर जल जमाव रुक पाता है।

एनजीटी हर साल आदेश देता है लेकिन सरकारी महकमे भी कागज की नाव चलाकर उन आदेशों को पानी में डुबो देते हैं। दिल्ली में अधिकांश जगह पक्की सड़क या गलियां हैं, यहां से बरसात के पानी को झील-तालाबों तक कम से कम हानि के ले जाना सरल है। दुर्भाग्य है कि इस शहर में बरसने वाले पानी का अस्सी फीसदी गंदे नालों के जरिए नदी तक पहुंचने में ही बर्बाद हो जाता है। नदी भी अपनी क्षमता से पचास फीसदी कम चौड़ी और गहरी रह गई है। इसमें बरसात के पानी से अधिक तो गंदा मल-जल और औद्योगिक कचरा आता है।

यमुना की गहराई घटने का क्या दुष्परिणाम होता है उसके लिए वजीराबाद जल संयत्र का उदाहरण काफी है। यह संयंत्र वजीराबाद बैराज के पास बने जलाशय से पानी लेता है। जलाशय की गहराई 4.26 मीटर हुआ करती थी। लेकिन इसकी गाद को किसी ने साफ करने की सोची नहीं और अब इसमें महज एक मीटर से भी कम 0.42 मीटर जल-भराव क्षमता रह गई। तभी 134 एमजीडी क्षमता वाला संयंत्र आधा पानी भी नहीं निकाल पा रहा।

आज दिल्ली पानी के लिए पड़ोसी राज्यों पर निर्भर है लेकिन यह कोई तकनीकी और दूरगामी हल नहीं है। दिल्ली शहर के पास यमुना जैसे सदानीर नदी का 42 किलोमीटर लंबा हिस्सा है। इसके अलावा छह सौ से ज्यादा तालाब हैं जो कि बरसात की कम से कम मात्रा होने पर भी सारे साल महानगर का गला तर रखने में सक्षम हैं। यदि दिल्ली की सीमा में यमुना की सफाई के साथ-साथ गाद निकाल कर पूरी गहराई मिल जाए। इसके साथ ही सभी नाले गंदा पानी छोड़ना बंद कर दें तो महज 30 किलोमीटर नदी, जिसकी गहराई दो मीटर हो तो इसमें निर्मल जल साल भर रह सकता है। दिल्ली के हर घर को पर्याप्त जल मिल सकता है। विदित हो नदी का प्रवाह गर्मी में कम रहता है लेकिन यदि गहराई होगी तो पानी का स्थाई डेरा रहेगा।

हरियाणा सरकार इस्राइल के साथ मिलकर यमुना के कायाकल्प की योजना बना रही है। इस दिशा में सिंचाई विभाग ने अपने सर्वे में पाया है कि यमुना में गंदगी के चलते दिल्ली में सात माह पानी की किल्लत रहती है। दिल्ली में यमुना, गंगा और भूजल से 1900 क्यूसेक पानी प्रतिदिन प्रयोग में लाया जाता है।

सन् 2019 में यमुना नदी के किनारों पर एक प्रयोग किया गया था। वहां गहरे गड्ढे बनाए गए थे ताकि जब पानी एकत्र हो तो इनके जरिए जमीन में समा जाये। इसके अच्छे परिणाम भी आए लेकिन फिर उस परियोजना में जमीन से अधिक कागज पर खतियां खोदी जाने लगीं। वैसे एनजीटी वर्ष 2015 में ही दिल्ली के यमुना तटों पर हर तरह के निर्माण पर पाबंदी लगा चुका है। बेपरवाह सरकारें मान नहीं रहीं। अभी एक साल के भीतर ही लाख आपत्तियों के बावजूद सराय कालेखान के पास कई अवैध निर्माण हो गए। जान लें कि जब यमुना अविरल बहेगी तो दिल्ली भी बचेगी। दिल्ली की प्यास और बाढ़ दोनों का निदान यमुना में ही है। नदी में पानी का रहना महज जल संकट का निदान ही नहीं है बल्कि जलवायु परिवर्तन की मार के चलते गर्मी, सर्दी और बारिश से जूझने का एकमात्र निदान भी नदी का साफ पानी से लबालब होना है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

रमन (प्रा.) आई.टी.आई.
Recognised by: NCVT & DGT NEW DELHI, GOVT. OF INDIA
COPA
कोपा
STENOGRAPHER (Hindi)
स्टेनोग्राफर (हिन्दी)
योग्यता 10वीं उत्तीर्ण
(एक वर्षीय पाठ्यक्रम) - प्रवेश प्रारंभ
प्रवेश लेने पर फीस में विशेष छूट
एवं फीस मासिक किस्तों में
शासन द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति योजना
Raman I.T.I. : बाबा दीप सिंह नगर (वैशालीनगर), भिलाई, जिला-दुर्ग, छ.ग.
Call : 0788-4033571, 7389471941, 0788-4903573 4903572, 7773027492

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

पार्षद डॉ. सीमा साहू बनी एमआईसी सदस्य

रिसाली। नगर पालिक निगम रिसाली वार्ड 28 की पार्षद डॉ. सीमा साहू को महापौर शशि सिन्हा ने महापौर परिषद में शामिल की है। उसे महिला बाल विकास , समाज कल्याण और आजीविका विभाग प्रभारी बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि यह विभाग 18 फरवरी 2024 से खाली था। ईश्वरी साहू को पद से हटाए जाने के बाद इस विभाग को महापौर ने अपने पास ही रखा था। खास बात यह है कि आगामी सप्ताह परिषद की बैठक होनी है। डा सीमा साहू पहली बार शहर सरकार की केबिनेट में बतौर मंत्री शामिल होंगी।

भिलाई इस्पात संयंत्र में 345 अधिकारी हुए पदोन्नत

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में 30 जून, 2024 को संयंत्र के विभिन्न विभागों में अलग-अलग पदों में कुल 345 अधिकारी पदोन्नत किये गये। ई-6 से ई-7 पद पर पदोन्नत अधिकारियों को इस्पात भवन के सभागार में संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने दिनांक 30 जून 2024 को पदोन्नति आदेश वितरित किया। श्री दासगुप्ता ने पदोन्नति आदेश वितरित करते हुए सभी कार्यपालकों को बधाई दी और अपने सम्बोधन में कहा कि आप सभी एक महत्वपूर्ण पद पर पहुंच गए है ऐसे में आप सभी की जिम्मेदारियां भी बढ़ गई हैं। मेरा मानना है कि कंपनी सेल में स्वयं की उन्नति के बहुत अवसर मिलते है जो आप सभी को मोटिवेट करते है। यह मोटिवेशन आपके निष्पादन में दिखलाई पड़े तो कंपनी को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि सभी पदोन्नति के लिए हमने सही स्थान के लिए सही व्यक्ति को चयनित करके पदोन्नति दी है यह बहुत कठिन काम था पर हमने प्रयास किया है कि कंपनी को अधिक मजबूती मिल सके। उन्होंने संगठन के लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए बड़े और महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित कर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि उत्पादन जरूरी है पर सुरक्षा उससे ज्यादा जरूरी है।

जिले में प्री बीएड और प्री डीएलएड परीक्षा संपन्न

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर द्वारा आयोजित प्री बीएड और प्री डीएलएड की परीक्षा आज जिले में शांतिपूर्वक सम्पन्न हो गया।कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल ने आज प्रथम पाली के परीक्षा में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गरियाबंद, शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और शासकीय वीर सुरेन्द्र साय महाविद्यालय परीक्षा केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण कर परीक्षा संचालन का जायजा लिया। निरीक्षण के समय सभी परीक्षा केंद्रों में सुचारू रूप से परीक्षा संचालित किया जा रहा था। इस अवसर पर परीक्षा के नोडल अधिकारी संयुक्त कलेक्टर राकेश कुमार गोलछा भी मौजूद रहे। इस दौरान समन्वयक एवं शासकीय वीर सुरेन्द्र साय महाविद्यालय गरियाबंद के प्राचार्य डॉ आर के तलवरे ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में संचालित परीक्षा केंद्र में परीक्षार्थियों के बैठने की सुचारू व्यवस्था एवं अन्य प्रशासनिक व्यवस्था की गई थी। उल्लेखनीय है कि जिले में दो पाली में परीक्षा का आयोजन किया गया। प्रथम पाली में प्री बीएड परीक्षा के लिए 19 परीक्षा केन्द्र एवं द्वितीय पाली में प्री डीएड परीक्षा के लिए 26 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। प्रथम पाली में प्री बीएड परीक्षा सुबह 10 बजे से दोपहर 12:15 तक आयोजित की गई।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने दी अहिवारा को 2 करोड़ 68 लाख रुपये लागत के 41 विकास कार्यों की सौगाते

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने आज दुर्ग जिले के अहिवारा में 2 करोड़ 68 लाख 94 हजार रुपये लागत के 41 विकास कार्यो का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इसमें 17 लाख 84 हजार रुपये लागत से नवनिर्मित नगर पालिका परिषद भवन अतिरिक्त के कक्ष का लोकार्पण तथा नगर पालिका के विभिन्न वार्डो में 2 करोड़ 51 लाख 10 हजार रूपए लागत के 40 निर्माण कार्यों का भूमिपूजन शामिल है।

भूमिपूजन कार्यों में प्रमुखता वार्ड क्र. 01 शिवमंदिर नहर पुल कलर्वट से शमशान घाट तक सी.सी. रोड निर्माण 24 लाख 72 हजार रूपए, वार्ड क्र. 11 महिला भवन से महमूद खान घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य 10 लाख 20 हजार रूपए, वार्ड क्र. 14 प्रकाश साहू घर से गया यादव घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य 16 लाख 32 हजार रूपए, वार्ड क्र. 14 सूर्यवंशी ब्यारा से शमशान घाट तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य 4 लाख 49 हजार रूपए, वार्ड क्र. 08 कुशल साहू घर से फेरहा घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य 10 लाख 78 हजार रूपए, वार्ड क्र. 07 बस स्टैण्ड से सुंदर घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य 2 लाख 31 हजार रूपए, वार्ड क्र. 06 रतन बहादुर घर से चुम्मन यादव घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य 9 लाख 54 हजार रूपए, वार्ड क्र. 02 लिलार घर से शत्रुहन बाड़ी तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य 2 लाख 96 हजार रूपए, वार्ड क्र. 04 बिसौहा किराना स्टोर्स से कचरा बाई घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य 3 लाख 23 हजार रूपए, वार्ड क्र. 15 संतेश्वर घर से विनोद विश्वकर्मा घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य 5 लाख 11 हजार रूपए, वार्ड क्र. 15 मुरलीधरण घर से पुष्पा बघेल घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य 5 लाख 17 हजार रूपए, वार्ड क्र. 02 राम किशोर बाड़ी से कुम्हारी रोड बरातुराम साहू के बाड़ी तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य 19 लाख 99 हजार रूपए, वार्ड क्र. 08 दुर्गा मंदिर से स्लाटर हाउस तक बी.टी. रोड वाईडिंनिंग कार्य 16 लाख 20 हजार रूपए, वार्ड क्र. 06 बस स्टैण्ड के पास बी.टी. रोड वाईडिनिंग कार्य 6 लाख 30 हजार रूपए, वार्ड क्र. 06 देवांगन प्रिन्टर्स से साहू पान ठेला तक बी.टी. रोड वाईडिनिंग कार्य 5 लाख 31 हजार रूपए, वार्ड क्र. 08 सलीम अहमद घर से मेनरोड एवं पाण्डेय पारा में पाईप लाईन विस्तार 3 लाख 46 हजार रूपए, वार्ड क्र. 08 निर्मलपारा अशोक घर से झंडी घर तक, मांझी पारा गैंदू से लक्ष्मण घर तक, पाण्डेय पारा मेनरोड तक एवं अंपूर्णा किराना स्टोर्स से सेन भवन तक पाईप लाईन विस्तार कार्य 9 लाख 62 हजार रूपए, वार्ड क्र. 06 रमेश यादव घर से रिंकू घर तक एवं बहादुर घर तक पाईप लाईन विस्तार कार्य 1 लाख 65 हजार रूपए, वार्ड क्र. 04 अशोक रवानी घर से नंदू घर तक एवं मुक्तिधाम से मनीकंचण केन्द्र तक पाईप लाईन विस्तार कार्य 4 लाख एक हजार, वार्ड क्र. 03 खासीडीह तालाब स्थित पम्प से खासाडीह स्कूल तक एवं नहर तक पाईप लाईन विस्तार कार्य 6 लाख 39 हजार रूपए, वार्ड क्र. 01 गौरा चौरा से सेम्पवेल पानी टंकी तक पाईप लाईन विस्तार कार्य 1 लाख 61 हजार रूपए, वार्ड क्र. 13 स्थित बंगला शत्रु घर से शिव घर तक पाईप लाईन विस्तार कार्य 5 लाख 40 हजार रूपए, वार्ड क्र. 15 पावर हाउस रोड शिव मंदिर से जोशी भवन तक पाईप लाईन विस्तार 1 लाख 62 हजार रूपए, वार्ड क्र. 14 कमल नारायण से सरोज पटेल तक, सार्वजनिक मंच से भोला राम जोशी घर तक, गया यादव घर से छन्नू साहू घर तक, धनीराम जोशी घर से हिमांचल जोशी, खेमराज से घन्सू, जागेश्वर पटेल से कृष्णा पटेल घर तक, किराना स्टोर्स से अरसनारा रोड, मंदिर से हेण्ड पम्प, पटेल भवन के पास एवं महामाया मंदिर तक पाईप लाईन विस्तार कार्य 9 लाख 38 हजार रूपए, वार्ड क्र. 11 पथरिया चौक से काली मंदिर एवं तीन बत्ती चौक तक पाईप लाईन विस्तार कार्य 11 लाख 74 हजार रूपए, वार्ड क्र. 04 में चबूतरा निर्माण कार्य 10 लाख रूपए और वार्ड क्र. 01 छटवा तालाब के पास गार्डन निर्माण कार्य 9 लाख 37 हजार रूपए आदि निर्माण कार्य शामिल है। उपमुख्यमंत्री श्री साव ने अपने कर कमलों से हितग्राहियों को राशि का चेक भी प्रदान किया।

तत्पश्चात् कबीर भवन में आयोजित श्री सदगुरू कबीर प्रागट्य उत्सव को मुख्य अतिथि की आसन्दी से सम्बोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि अहिवारा से मेरा बचपन से नाता रहा है। भारत माता की गर्भ से बड़े-बड़े संत महात्मा हुए है। इनमें से एक संत कबीर भी है। उन्होंने कहा कि कबीर की वाणी में जीवन दर्शन मिलता है। कबीर की वाणी को घर-घर तक पहुंचाये और जीवन में आत्मसात करें। यह परिसर कबीर के वाणी का प्रचार प्रसार का माध्यम बने। उपमुख्यमंत्री श्री साव ने अहिवारा के लोगों को भरोसा दिलाया गया कि अहिवारा के विकास के लिए राशि की कमी नहीं होगी।

विधायक गजेंद्र यादव ने कार्यकर्त्ताओं के साथ सुनी मोदी के मन की बात

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात कार्यक्रम के 111वें संस्करण में कहा कि मैं आज देशवासियों को धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने हमारे संविधान और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं पर अपना अटूट विश्वास दोहराया है। लोकसभा चुनाव के बाद पुनः कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। दुर्ग विधानसभा के सभी मंडल स्तर पर मन की बात कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सामाजिक, सामयिक और योग दिवस के सफलतम आयोजन पर बात किये।

शीतला चंडी मंदिर मंडल द्वारा वार्ड 09 गिरधारी नगर में आयोजित मन की बात कार्यक्रम में शहर विधायक गजेंद्र यादव शामिल हुए। पूर्व पार्षद के यहां प्रधानमंत्री की मन की बात सुनने स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए। मोदी जी ने कहा की मन की बात' का जो आत्मा है देश में, समाज में, हर दिन अच्छे काम, निस्वार्थ भावना से किए गए काम, समाज पर सकारात्मक असर डालने वाले काम निरंतर चलते रहे 7 प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार प्रधान मंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के कुछ दिनों बाद आज अपना मासिक रेडियो कार्यक्रम, 'मन की बात' फिर से शुरू किया। पीएम मोदी की आखिरी 'मन की बात' चुनाव कार्यक्रम की घोषणा से पहले 25 फरवरी को प्रसारित हुई थी। इस दौरान पार्षद शेखर चंद्राकर, पूर्व पार्षद ज्ञानेश ताम्रकार, दिनेश, अनूप गटागट, नीलेश नालोडे, विजय साहू बंटी चौहान, गोपू पटेल, दिनेश्वरी, मीनाक्षी महोबिया, गीता सोनी, सरोज राजपूत, पूजा पटेल, सरोज चंद्राकर उपस्थित रहे।

रावघाट क्षेत्र के वंचित बच्चों को पाठ्य सामग्री दी जीई फाउंडेशन ने

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सामाजिक संस्थान गोल्डन एम्पथी (जीई) फाउंडेशन ने रावघाट क्षेत्र में वंचित बच्चों के बीच पाठ्य सामग्री का वितरण किया। रावघाट रेल परियोजना को सुरक्षा दे रहे सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के नागरिक कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत जीई फाउंडेशन ने यह अनुठी पहल की। रावघाट क्षेत्र में 28 वीं वाहिनी एसएसबी अंतागढ़ और 33 वी वाहिनी केवटी में स्कूली बच्चों को जूते, स्कूल बैग और कॉपी वितरित किए गए। इस दौरान एसएसबी के कमांडेंट अरुण देवगम और जीई फाउंडेशन के संयोजक प्रदीप पिल्लई उत्कृष्ट अंक लाने वाले तीन बच्चों को सम्मानित भी किया गया।

उल्लेखनीय है कि सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) 28 वी वाहिनी अंतागढ़ और 33 वी वाहिनी केवटी द्वारा संचालित पाठशाला में बैहासालेभट,तुमापाल और केवटी गांव के बच्चों को ''एसएसबी की पाठशाला'' नाम से एक निशुल्क कोचिंग संचालित की जाती है। जिसमें एसएसबी के ही जवान और अधिकारी बच्चों को पढ़ाने का काम करते है। इस दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए जीई फाउंडेशन के संयोजक प्रदीप पिल्लई ने कहा कि आने वाले दिनों में भी फाउंडेशन की तरफ से यहां के बच्चों के लिए कुछ न कुछ पहल करते रहेंगे। कमांडेंट अरुण देवगम ने कहा कि ये परस्पर सहयोग और एसएसबी द्वारा लिए गए निर्णयों का परिणाम है।

नशे के विरूद्ध अभियान के लिए राजनांदगांव जिला राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित, सीएम साय ने दी बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने दिया सम्मान, प्रदेश में चल रहा 'एक युद्ध नशे के विरूद्ध अभियान'

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे नशा विरोधी अभियान के प्रभावी जमीनी क्रियान्वयन का असर दिखने लगा है।प्रदेश में 'एक युद्ध नशे के विरूद्ध अभियान'के शानदार संचालन के लिए राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने उल्लेखनीय कार्य के लिए राजनांदगांव जिले को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री साय ने इसके लिए जिला प्रशासन राजनांदगांव को बधाई दी है। साथ ही उन्होंने नशे के विरूद्ध सतत् अभियान चलाते रहने के निर्देश भी दिए हैं। मुख्यमंत्री ने सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि बच्चों में नशे की आदत को रोकने के लिए प्रभावी अभियान निरंतर चलाते रहें।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा बच्चों द्वारा ड्रग्स एवं स्वापक ओषधियों के प्रयोग तथा बच्चों के अवैध तस्करी की प्रभावी रोकथाम हेतु 'एक युद्ध नशे के विरुद्ध' पर जॉइंट एक्शन प्लान के क्रियान्वयन के निर्देश थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने महिला एवं बाल विकास विभाग को जॉइंट एक्शन प्लान के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए थे। इसके परिपालन में विभाग द्वारा इस अभियान को प्रभावी संचालन हेतु सभी जिला कलेक्टर्स को निर्देश जारी किए गए। विभिन्न स्टेक होल्डर्स के लिए प्रशिक्षण आयोजित किये गए। नियमित मॉनिटरिंग की गई। राज्य के सभी जिलों में इस अभियान का संचालन जिला प्रशासन एवं जिला बाल संरक्षण ईकाई द्वारा विभिन्न विभागों के समन्वय से किया गया। सभी जिलों में जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में एक समिति बनाई गई जिसमें महिला बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग स्वास्थ्य विभाग ,उच्च शिक्षा विभाग समाज कल्याण और औषध नियंत्रक विभाग आदि सभी की सहभागिता कर समन्वय समिति का गठन किया गया।

जिलों में इस अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु प्रचार प्रसार किया गया।बच्चों को नशे का आदि बनाने एवं नशे के व्यापार से जोड़ने के दोषियों के विरुद्ध किशोर न्याय अधिनियम की धारा 77 एवं 78 के प्रावधान अनुसार कार्यवाही के निर्देश दिए गए। राज्य स्तर से जारी निर्देश एवं एक्शन प्लान के अनुसार सभी जिलों में कार्य हुए। राजनांदगांव जिले में सबसे उल्लेखनीय कार्य किया गया। ज़िलें के सभी स्कूलों में प्रहरी क्लब बनाए गए। नशे के दुष्प्रभाव के बारे में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन शासकीय एवं निजी स्कूल में बनाए गए प्रहरी क्लब के माध्यम से किया गया। जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन द्वारा सभी स्कूलों के आसपास शराब दुकानों को हटाया गया है। औषधि प्रशासन विभाग द्वारा एक्ट के प्रावधानों के अनुसार कार्यवाही की गई एवम लगातार चालान की कार्यवाही की गई । ज़िलें में एक लाख से अधिक की राशि का चालान काटा गया। दुकानों से जहां बच्चों को नशे तंबाकू का पदार्थ दिया जा रहा था या दुकानें स्कूल के पास संचालित थे।

बीएसपी में 15 मेगावाट फ्लोटिंग, सोलर पावर प्लांट की रखी गई आधारशिला

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। टिकाऊ ऊर्जा समाधानों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में, एनएसपीसीएल (एनटीपीसी-सेल पावर कंपनी लिमिटेड) ने भिलाई स्टील प्लांट में 15 मेगावाट के फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट की स्थापना के लिए आधारशिला रखी। रविवार को हुए इस आयोजन में एनएसपीसीएल के चेयरमैन रविंद्र कुमार और सेल-बीएसपी निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता मुख्य रूप से शामिल हुए।

इनके साथ निदेशक, एनएसपीसीएल सी. शिवकुमार और आरईडी (डब्ल्यूआर-द्वद्व), एनटीपीसी लिमिटेड,दिवाकर कौशिक, सीईओ-एनएसपीसीएल और एनटीपीसी लिमिटेड और सेल के प्रतिष्ठित बोर्ड सदस्य व अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। यह पहल एनएसपीसीएल की नवीकरणीय ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आधारशिला समारोह के दौरान एनएसपीसीएल के चेयरमैन रविंद्र कुमार ने परियोजना के महत्व पर जोर देते हुए कहा, 15 मेगावाट का फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट न केवल एनएसपीसीएल के लिए एक मील का पत्थर है बल्कि हमारे सतत विकास के प्रति समर्पण का प्रमाण है। हम भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमताओं को बढ़ाने और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने अपने उद्बोधन में भारत के महत्वाकांक्षी नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों का समर्थन करने और स्वच्छ, हरित भविष्य में एनएसपीसीएल की भूमिका को रेखांकित किया।

सेल-बीएसपी के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने कहा, यह 15 मेगावाट प्लांट पूरे भारत में सभी सेल प्लांट्स में एक प्रमुख परियोजना होगी, जो नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की ओर मार्गदर्शन करेगा। सेल ऊर्जा संरक्षण के लिए समर्पित है और वैश्विक वार्मिंग से लड़ने की अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित कर रहा है।

भिलाई स्टील प्लांट के मरोदा टैंक में यह तैरते हुए सोलर पैनल ऊर्जा उत्पादन की दिशा में अत्याधुनिक परियोजना साबित होंगे, जो औद्योगिक अनुप्रयोगों में नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता को प्रदर्शित करेंगे। पारंपरिक भूमि आधारित सौर प्रतिष्ठानों की तुलना में पानी में तैरते सोलर पावर प्लांट कई लाभ प्रदान करते हैं। ये प्रणालियाँ भूमि उपयोग को काफी कम करती हैं, जिससे वे उन क्षेत्रों के लिए आदर्श बनती हैं जहाँ भूमि की उपलब्धता एक बाधा होती है। इसके अतिरिक्त, ये जल निकायों से वाष्पीकरण की दर को कम करके पानी को संरक्षित करने में मदद करती हैं और जल के प्राकृतिक शीतलन प्रभाव के कारण सोलर पैनलों की दक्षता को बढ़ाती हैं। भिलाई स्टील प्लांट के लिए जल वाष्पीकरण में बचत के कारण अनुमानित मौद्रिक बचत करोड़ों में होगी।

यह 15 मेगावाट का फ्लोटिंग सोलर प्लांट लगभग एक वर्ष में स्थापित होने की उम्मीद है। यह पर्याप्त विद्युत उत्पादन भिलाई स्टील प्लांट की ऊर्जा आवश्यकताओं के एक महत्वपूर्ण हिस्से को पूरा करेगा, जिससे एक स्थिर और पर्यावरण अनुकूल बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी। इसके अलावा, यह पहल स्टील प्लांट के कार्बन फुटप्रिंट को काफी हद तक कम करने में योगदान देगी, जो ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के वैश्विक और राष्ट्रीय लक्ष्यों के अनुरूप है। महत्वपूर्ण रूप से, इस परियोजना को सेल की नवीकरणीय ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है और यह छत्तीसगढ़ में अपनी तरह की पहली परियोजना है, जो राज्य में भविष्य की ग्रीन एनर्जी परियोजनाओं के लिए एक मिसाल कायम करेगी। एनटीपीसी लिमिटेड, एनएसपीसीएल की मातृ कंपनी, विभिन्न स्थानों पर फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट स्थापित करने और सफलतापूर्वक संचालित करने में व्यापक अनुभव रखती है। इनमें से सबसे बड़ी रामागुंडम में 100 मेगावाट की क्षमता वाली है।

एनएसपीसीएल (एनटीपीसी-सेल पावर कंपनी लिमिटेड) राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम और स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड का एक संयुक्त उद्यम है जो भारत भर में सेल के विभिन्न स्टील प्लांट्स की कैप्टिव पावर आवश्यकता को पूरा करने के लिए बिजली उत्पादन में लगा हुआ है।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

तेलीबांधा एक्सप्रेस वे के नीचे सकरे मार्ग का होगा चौड़ीकरण

रायपुर। रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के निर्देशानुसार नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के सीओओ उज्ववल पोरवार, नगर निगम अपर आयुक्त विनोद पाण्डेय, एसडीएम नन्द कुमार चौबे, सहायक अभियंता अंशुल शर्मा सहित नगर निगम और रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के सम्बंधित अधिकारियों की उपस्थिति में राजधानी शहर रायपुर में तेलीबाँधा एक्सप्रेस वे के नीचे संकरे मार्ग का निरीक्षण किया और संकरे मार्ग का चौड़ीकरण करवाने आवश्यक कार्यवाही शीघ्र करने एसडीएम नन्द कुमार चौबे को स्थल पर निर्देश दिये हैं, ताकि नागरिकों को सुगम एवं सुव्यवस्थित यातायात शीघ्र उपलब्ध हो सके।

आमानाका आरओबी के नीचे बनेगा शीघ्र वेंडिंग जोन

रायपुर। रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के निर्देशानुसार नगर पालिक

निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने राजधानी शहर रायपुर के जीईमार्ग में आमानाका आरओबी के नीचे अवैध कब्जों को हटाकर वहाँ शासकीय भूमि को संरक्षित करने और जनसुविधा विस्तार की दृष्टि से वेंडिंग जोन शीघ्र विकसित करने का कार्य प्राथमिकता से करवाने के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिये हैं। आयुक्त ने वेंडिंग जोन विकसित करने का कार्य प्राथमिकता से करवाना सुनिश्चित करवाने निर्देशित किया है। इस दौरान रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के सीओओ उज्जवल पोरवार, निगम अपर आयुक्त विनोद पाण्डेय, एसडीएम नन्द कुमार चौबे सहित रायपुर नगर निगम और रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश के कृषि विज्ञान केन्द्रों की तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

नये कृषि स्टार्टअप स्थापित करने के लिए आगे आएं कृषि विज्ञान केन्द्र : डॉ. चंदेल

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, कृषि तकनीकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान जोन-9, जबलपुर के अन्तर्गत आने वाले मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के 81 कृषि विज्ञान केन्द्रों की तीन दिवसीय 31वीं क्षेत्रीय कार्यशाला का रविवार को समापन हुआ। 28 से 30 जून तक आयोजित इस कार्यशाला के समापन समारोह के मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. (कर्नल) गिरीश चंदेल थे।

समापन समारोह की अध्यक्षता कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान जोन-9, जबलपुर के निदेशक डॉ. एस.आर.के. सिंह ने की। इस तीन दिवसीय वार्षिक कार्यशाला में मध्यप्रदेश एवं

छत्तीसगढ़ के सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा विगत वर्ष किये गये कार्यों का प्रस्तुतीकरण दिया गया तथा आगामी वर्ष की कार्ययोजना पर विचार विमर्श किया गया। समापन समारोह के संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश के कृषि विज्ञान केन्द्र नवीन अनुसंधान एवं तकनीकों को किसानों तक पहुंचा कर उनकी आय बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्रों को बाजार आधारित कृषि व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए किसानों के लिए नये स्टार्टअप शुरू करने तथा कृषक उत्पादक संगठन गठित करने हेतु आगे आना चाहिए। समापन समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले कृषि विज्ञान केन्द्रों को सम्मानित भी किया गया।

तीन दिवसीय कार्यशाला के दौरान भारतीय कृषि अर्थ व्यवस्था कृषि विकास योजनाओं, रोजगार मूलक उपादान, पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संरक्षण, कृषि विपणन व्यवस्था तथा स्टार्टअप आदि में कृषि विज्ञान केन्द्रों की भूमिका के संबंध में विभिन्न तकनीकी सत्र आयोजित किये गये तथा इन विषयों पर सार्थक विचार-विमर्श किया गया। कार्यशाला स्थल पर विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा लगाई गई कृषि प्रदर्शनी हेतु छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश के विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों को पुरस्कृत किया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र बिलासपुर को सर्वश्रेष्ठ विषय वस्तु प्रदर्शन हेतु सम्मानित किया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र, बेमेतरा, जाजगीर-चांपा, रायगढ़, रायपुर, दुर्ग (पाहंदा), कांकेर, नरायणपुर, सरगुजा, मैनपाट, बलरामपुर, रतलाम, नीमच, झाबुआ, मंदसौर, छिंदवाड़ा-2, सागर-2 कृषि विज्ञान केन्द्रों को उत्कृष्ट प्रदर्शनी स्टॉल लगाने हेतु सम्मानित किया गया। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के निदेशक विस्तार सेवाएं डॉ. अजय वर्मा ने छत्तीसगढ़ के विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा संचालित कृषि विकास गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कृषि विज्ञान केन्द्र, दुर्ग (पाहंदा) के प्रमुख एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. विजय जैन ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कृषि विज्ञान केन्द्र बिलासपुर के प्रमुख डॉ. अरूण त्रिपाठी ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस कार्यशाला में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के एवं विभिन्न संस्थानों के निदेशक, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर, जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर, राजमाता विजया राजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर के निदेशक विस्तार सेवाएं तथा छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश के अंतर्गत कार्यरत 81 कृषि विज्ञान केन्द्रों के प्रमुख एवं वैज्ञानिक शामिल हुए।

डिप्टी सीएम शर्मा का श्रद्धालुओं ने किया स्वागत

तीर्थ दर्शन कर लौटे माताओं और बुजुर्गों ने उपमुख्यमंत्री को ''बेटा श्रवण कुमार'' कहा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आज अयोध्या में विराजित प्रभु श्री रामलला के दर्शन कर वापस कवर्धा पहुंचे 71 श्रद्धालुओं का सीताराम संकीर्तन मंडली के साथ अभूतपूर्व स्वागत और अभिनंदन किया। उन्होंने अयोध्या से दर्शन करके आए श्रद्धालुओं का कवर्धा विधायक कार्यालय में तिलक लगाकर एवं माला पहनाकर, शॉल, श्रीफल भेंटकर स्वागत और अभिनंदन किया। जिससे उनकी यात्रा और भी स्मर्णीय बन गई। उन्होने सभी श्रद्धालुओं से अयोध्या दर्शन यात्रा के अनुभव के बारे में जाना। भगवान राम लला में तीर्थ दर्शन कर लौटे माताओं और बुजुर्गों ने उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा को बेटा श्रवण कुमार कहा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में मोदी की गांरटी को पूरा करते हुए प्रभु श्रीरामलला दर्शन योजना का संचालन किया जा रहा है।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अयोध्या के रामलला दर्शन के महत्व को बताते हुए कहा कि रामलला का दर्शन हर श्रद्धालुओं के लिए एक विशेष और पवित्र अनुभव होता है। उन्होंने कहा कि समाज के लंबे 500 साल के संघर्ष के पश्चात अयोध्या में मंदिर का निर्माण हुआ है और भगवान श्रीराम विराजित हुए है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार ने प्रभु श्री रामलला दर्शन योजना प्रारंभ की है जिससे पूरे प्रदेश के श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं और भगवान श्री राम के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि सभी श्रद्धालु अपने गांव में जाकर रामलला दर्शन से प्राप्त आनंद की अनुभूति का अनुभव जरूर साझा करें। उन्होंने

श्रद्धालुओं से कहा कि रामलला का दर्शन करना एक अत्यंत पवित्र और अविस्मरणीय अनुभव है। अयोध्या में रामलला के दर्शन से मन को शांति और आत्मा को संतोष मिलता है।

भगवान राम लला में तीर्थ दर्शन कर लौटे माताओं और बुजुर्गों ने उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा को बेटा श्रवण कुमार कहा। तीर्थ यात्रा कर लौटे बुजुर्ग माताओं ने कहा हमने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि हम अयोध्या जाएंगे। हमने अयोध्या में हम सबके आराध्य देव प्रभु राम जी के बाल्य काल का दर्शन किया। साथ ही काशी में विराजित काशी विश्वनाथ बाबा का भी दर्शन किया। हम सबका यह धार्मिक यात्रा बहुत मंगल मय और यादगार रही। रास्ते मे हम सबको किसी भी चीज की तकलीफ नहीं हुई। सुबह से शाम तक भरपेट नाश्ता, भोजन, दही, पापड़ सलाद मिलता था। घर से भी ज्यादा हमारा ख्याल वहां रखते थे। तीर्थ यात्रियों ने इस यात्रा के लिए छत्तीसगढ़ सरकार मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा का आशीर्वाद देते हुए आभार जताया और श्रवण कुमार बेटा की उपाधि भी दी। इस अवसर पर पूर्व संसदीय सचिव डॉ. सियाराम साहू, मोतिराम चंद्रवंशी, पूर्व विधायक अशोक साहू, जिला पंचायत सदस्य रामकुमार भट्ट, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष संतोष पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष मनहरण कौशिक, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अनिल ठाकुर, देवकुमारी चंद्रवंशी, कैलाश चंद्रवंशी, रामबिलास चंद्रवंशी, मनिराम साहू, निर्मल द्विवेदी, अमर कुर्रे, प्रदीप केवर्थ, मंजीत बैरागी, नरेन्द्र मानिकपुरी, जिला पंचायत सीईओ संदीप कुमार अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधि, श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

अयोध्या में विराजित प्रभु श्री रामलला के दर्शन कर वापस कवर्धा पहुंचे श्रद्धालुओं ने उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा को प्रभु श्रीरामलला का छायाचित्र भेंट किया। श्रद्धालुओं ने बताया कि प्रभु श्रीरामलला का मंदिर बहुत ही सुंदर और लाजवाब है, जहां पर अद्भुत नजारा देखने मिला। श्रद्धालुओं ने अयोध्या दर्शन के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा का धन्यवाद ज्ञापित भी किया। श्रद्धालुओं ने कहा कि अयोध्या दर्शन योजना के तहत की गई यह यात्रा उनके लिए अत्यंत सुखद और पवित्र रही। उन्होंने रामलला के दर्शन का अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्हें इस धार्मिक स्थल की आध्यात्मिक ऊर्जा से बहुत शांति और संतोष मिला। श्रद्धालुओं ने सरकार द्वारा प्रदान की गई सुविधाओं और स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया।

सौन्दर्यीकरण कार्यों का कलेक्टर गौरव कुमार ने लिया जायजा

रायपुर। रायपुर जिला कलेक्टर डॉक्टर गौरव कुमार सिंह के निर्देशानुसार नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के सीओओ उज्ववल पोरवार, नगर निगम अपर आयुक्त विनोद पाण्डेय, एसडीएम नन्द कुमार चौबे, जोन 7 जोन कमिश्नर जसदेव सिंह बाबरा, जोन कार्यपालन अभियंता सुशील मोडेस्टस, सहायक अभियंता अंशुल शर्मा सहित नगर निगम और रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के सम्बंधित अधिकारियों की उपस्थिति में साइंस कॉलेज के समीप से जीईमार्ग से रोहिणीपुरम गोल चौक डीडीनगर तक रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के माध्यम से शासकीय दीवारों, मार्ग के मध्य में मार्ग विभाजक में करवाए जा रहे सुन्दर आर्ट वर्क, पेंटिंग, रंग रोगन, सौंदर्यीकरण के विविध कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया एवं इसे शीघ्र जनहित में जनसुविधा विस्तार को दृष्टिगत रखकर पूर्ण करवाने के निर्देश दिये। आयुक्त ने नगर निगम अधिकारियों को मार्ग का विकास एवं सौंदर्यीकरण होने के पश्चात सौंदर्यीकृत की गयी शासकीय दीवारों, मार्ग विभाजक, विद्युत पोलों पर कोई भी बैनर, पोस्टर, स्टीकर नहीं लगने दिया जाना एवं ऐसा करने वालों पर कड़ी कार्यवाही जुर्माना करके करने के निर्देश दिये है।

दिव्यांगों के लिए हर संभव मदद की जाएगी: साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज यहां जैन दादा बाडी एमजी रोड में नारायण सेवा संस्थान द्वारा आयोजित विशाल नि:शुल्क नारायण लिम्ब एवं कैलिपर्स फिटमेंट शिविर में शामिल हुए। संस्थान ने इस शिविर में छत्तीसगढ़ प्रदेश के रायपुर तथा विभिन्न जिलों से आए 750 से ज्यादा दिव्यांगों को अपर-लोवर लिंब और केलिपर्स लगाकर उनकी रुकी जिंदगी को फिर से शुरू कर दी। इन दिव्यांगों और परिजनों की खुशी हर किसी के मन को छूने वाली थी। आज एक ही दिन में एक ही जगह पर 750 से ज्यादा दिव्यांग नारायण लिम्ब पहनकर मुस्कुराते हुए चले। जो वर्षों पहले किसी दुर्घटना में अपने हाथ-पैर गंवाने से चलने-फिरने में असमर्थ हो चुके थे। जिसके चलते इनकी जिंदगी रुक सी गई थी। इन्हें आज लोवर लिंब, अपर लिंब, मल्टिपल लिंब और केलिपर्स लगाए गए।

शिविर का उद्घाटन मुख्यमंत्री विष्णु देव साय तथा अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस मौके पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा, विधायक पुरंदर मिश्रा, मोती लाल साहू और अनुज शर्मा, दिव्यांगों, उनके परिजनों सहित कई सम्मानीय दानी जन मौजूद थे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुख्य अतिथि की आसंदी से कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि राजस्थान से चलकर छत्तीसगढ़ के दिव्यांगों की मदद के लिए आगे आयी इस संस्थान की भावना का मैं हार्दिक अभिनंदन करता हूँ। उन्होंने संस्थान के संस्थापक कैलाश जी मानव व

अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल का इस भव्य मानव यज्ञ के लिए आभार प्रकट करते हुए राज्य सरकार की ओर से संस्थान को दिव्यांगों के लिए हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में संस्थान द्वारा मुख्य अतिथि सहित सभी अतिथियों का मेवाड़ी परंपरा से सत्कार किया गया। संस्थान के प्रतिनिधियों द्वारा मानवता की सेवा के अपनी 39 वर्षीय यात्रा की जानकारी देते हुए आगामी 5 वर्ष का विजन प्रस्तुत किया गया। संस्थान द्वारा बताया गया कि हमने दिव्यांगजनों को उनके घरों के पास ही लाभान्वित करने की सोच को साकार करते हुए। अप्रैल को रायपुर में कैंप लगाया था। आज उन्हें जरूरी उपकरण मुख्यमंत्री जी के हाथों उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

नारायण सेवा संस्था के अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने संकल्प रखा की वे आने वाले दिनों में छत्तीसगढ़ के दिव्यांगों को लाभान्वित करने के लिए रायपुर में केंद्र संचालित करना चाहते हैं। श्री साय ने कहा कि नारायण सेवा संस्थान द्वारा केंद्र स्थापना के लिए उन्हें हर संभव मदद दी जाएगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ के रायपुर तथा विभिन्न जिले से आए दिव्यांगों जिनके कृत्रिम हाथ पैर लगे उनसे मिलकर उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिव्यांगों को समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

शिविर में स्थानीय संगठन भगवान महावीर जन्म कल्याणक, ऋषभदेव मन्दिर, दादाबाड़ी रायपुर, भारतीय जैन संगठना, श्री दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, जय आनन्द युवा संघ, रायपुर केरला समाजम, आरोग्य हॉस्पिटल शंकरनगर, राजश्री चायपत्ती, राजश्री इंटरप्राइजेज, श्याम सेवाधारी महिला समिति, सत्यनारायण धर्मशाला, महिला पतंजली योग समिति, छत्तीसगढ़ प्रान्तीय महिला अग्रवाल संगठन, मानव सेवा मंगल भवन, छत्तीसगढ़ गोंड समाज कल्याण समिति, छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ, अग्रवाल सभा, छत्तीसगढ़ सर्व नाई समाज, मां खारुन गंगा महाआरती महादेव घाट, राणाजी वेलफेयर फाउंडेशन, मंगलमय, अखंड ब्राह्मण समाज सेवा समिति छत्तीसगढ़, नवसृजन मंच छत्तीसगढ़, वसुधैव कुटुंबकम, सार्थक क्रिएटिव ऑर्गनाइजेशन, छत्तीसगढ प्रदेश स्वास्थ्य नर्सिंग संगठन, स्पर्श एक कोशिश वेलफेयर फाउंडेशन, श्रीराम जी की सेना, ऊँ मण्डली, मणिकार्णिका विंग शिविर में शामिल हुए।

बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने लिया प्रवचन का लाभ

धर्मस्थलों पर जाने से कुछ नहीं होगा, आपके अंदर धर्म को जानने की जिज्ञासा होनी चाहिए : विरागमुनिजी

रायपुर (ए.) । राजधानी की पावन धरा पर जिनवाणी की वर्षा के क्रम में रविवार को दीर्घ तपस्वी विरागमुनिजी के श्रीमुख से देवेंद्र नगर स्थित शीतलनाथ जिनालय में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने प्रवचन का लाभ लिया। प्रवचन के दौरान उन्होंने कहा कि चंडकौशिक नाग, जो इतना जहरीला था कि उसके देखने मात्र से प्राणियों की जान चली जाती थी। जिनवाणी का श्रवण करने से चंडकौशिक नाग ने भी मोक्ष को प्राप्त कर लिया। आज लोगों के लिए धर्म का श्रवण करना बहुत ही मुश्किल काम हो गया है।

लोगों की मदद करना आपके लिए धर्म जरूर है लेकिन यह भी आपको धर्म के बारे में सुनने के बाद ही पता चलता है। आत्मसमृद्धि का एक उदाहरण बताते हुए गुरु भगवंत ने कहा कि एक आदमी अमेरिका से उनके गृह ग्राम में पधारे संत के पास पहुंचता है। वह व्यक्ति उनसे मिलना चाहता है पर समय नहीं होने के कारण मुलाकात नहीं हो पाती और जब मुलाकात होती है तो उसे दो दिन बाद 11 बजे का समय दिया जाता है। वह व्यक्ति दो दिन बाद निर्धारित समय पर संत के पास पहुंच जाता है।

संत के पास पहुंचने पर संत की सहायक आते हैं और बताते हैं कि इनकी आज अमेरिका में 50 करोड़ डॉलर की डील होनी थी पर ये आपके पास आए हैं। संत ने कहा अगर ऐसी बात थी तो मुझे उसी दिन बता दिया होता तो मैं समय निकाल कर आपकी बातों को सुन लेता। वह व्यक्ति कहता है कि यह 50 करोड़ डॉलर की डील फाइनल होने पर

मुझे भौतिक समृद्धि तो मिल जाती लेकिन यह समय आत्मा समृद्धि का है, जिससे मेरे जीवन का कल्याण होना है। ऐसी डील तो भविष्य में मुझे फिर मिल जाएगी लेकिन आत्म समृद्धि नहीं मिल पाएगी। अब आप विचार कीजिए कि जो करोड़ों रूपयों की डील छोड़कर आत्म समृद्धि के लिए आ रहे हैं तो आजकल कई लोग ऐसे भी हैं जो केवल फॉर्मेलिटी निभाने के लिए प्रवचन में आते हैं, मंदिर जाते हैं।

पूजा पाठ करने के लिए भी पुजारी को कहते हैं। फल-फूल, चढ़ावा, पूजन-अनुष्ठान का सामान अनुष्ठान का सामान भी वे अपने सहायकों से उठवाते हैं लेकिन अपने हाथों से वह यह सब नहीं करते तो धर्म का लाभ उन्हें कैसे मिलेगा। धर्मस्थल में आकर केवल प्रवचन सुनने से कुछ नहीं होगा, आपके अंदर जिज्ञासा होनी चाहिए धर्म को जानने की, उसके बारे में सीखने की। आपके मन में प्रश्न आना चाहिए तब यह समझ में आएगा कि आप मन से प्रवचन सुन रहे हो। मुनिजी ने कहा कि केवल अपनी जिज्ञासाओं को संतुष्ट करके हमें घर नहीं जाना है बल्कि हमें परिणाम में परिवर्तन लाना है। जब आपको धर्म समझ में आ जाएगा तो पाप भी काम होगा।

आज के युग में दानदाताओं और धर्म करने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है लेकिन ताज्जुब की बात है कि उसके बाद भी पाप नहीं घट रहा है। हम इनफॉरमेशन तो ले रहे हैं लेकिन हमारे अंदर नॉलेज नहीं आ रहा है। हम जैसे-जैसे आगे बढ़ रहे हैं, वैसे ही हमारे पाप भी बढ़ते जा रहे हैं जबकि बचपन में ऐसा नहीं था। हमें हमारे मन को धर्म के क्षेत्र में एक बच्चे के जैसा बनना होगा तब हम धर्म के क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे।

एक दिन में हमारे पूरे पाप तो खत्म नहीं हो जाएंगे। धर्म का ज्ञान लेते हुए हमें इस कम करने की प्रैक्टिस करनी होगी और एक दिन अवश्य यह खत्म हो जाएगा। इसके लिए अंदर से आपको चिंतन करने की आवश्यकता है। चातुर्मास समिति के प्रचार प्रसार संयोजक नीलेश गोलछा और तरुण कोचर ने बताया कि जिनवाणी की वर्षा के क्रम में 01 जुलाई, सोमवार को चौबे कॉलोनी स्थित पार्श्वनाथ जिनालय में सुबह 8.45 बजे मुनिश्री का प्रवचन होगा। आप सभी से निवेदन है जिनवाणी का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

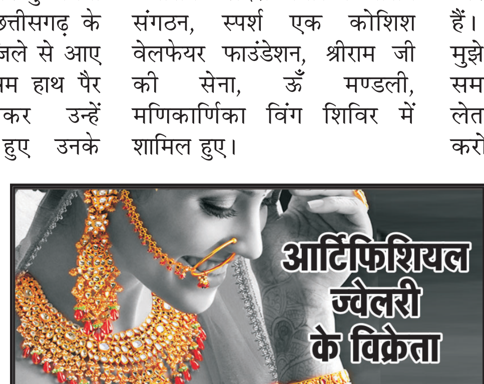

सरफिरा का नया गाना खुदाया जारी, अक्षय कुमार व राधिका मदान की खूब जमी जोड़ी

बॉलीवुड के सुपरस्टार अक्षय कुमार की आगामी फिल्म सरफिरा के मेकर्स रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। इस बीच फिल्म का दूसरा गाना खुदाया रिलीज कर दिया गया है, जो की एक सूफी ट्रैक है। सॉन्ग अपने म्यूजिक और दिल छू लेने वाले लिरिक्स की वजह के फैंस के बीच तेजी से पॉपुलर हो रहा है।

सरफिरा का हाल ही में ट्रेलर रिलीज किया गया था। जिसे सोशल मीडिया पर ठीक- ठाक रिस्पॉन्स मिला। इसके बाद पहला गाना मार उड़ी जारी किया गया और अब 27 जून को सेकेंड ट्रैक खुदाया रिलीज कर दिया गया है।

खुदाया गाने को संगीतकार सुहित अभ्यंकर ने कंपोज किया है और इसे आवाज दी है सागर भाटिया, नीति मोहन और सुहित अभ्यंकर ने। गाने के बोल मनोज मुंतशिर शुक्ला ने लिखे हैं। इस गाने में प्यार और जज्बातों को बेहद खूबसूरती से उभारा गया है। खुदाया में मिडल क्लास कपल के रोल में शामिल अक्षय कुमार और राधिका मदान की खूबसूरत लव स्टोरी दिखाई गई है। गाने की शुरुआत दोनों के झगड़े से होती है, लेकिन अंक दोनों एक बार फिर एक-दूसरे के साथ आ जाते हैं।

सरफिरा की कहानी अक्षय कुमार के किरदार के सफर के इर्द-गिर्द घूमती है, जो कर्ज में डूबे शुरुआती दौर से दूरदर्शी बिजनेसमैन तक का सफर तय करता है। इस सफर में वो कई मुश्किलों का सामना करता है और भ्रष्टाचार के खिलाफ भी जंग लड़नी पड़ती है।

सरफिरा, तमिल फिल्म सोरारई पोटरु की हिंदी रीमेक है। ओरिजिनल फिल्म में सुर्या ने लीड रोल निभाया था। सोरारई पोटरु ने अपनी कहानी के लिए नेशनल अवॉर्ड भी जीता था। वहीं, अब इसका हिंदी एडेप्टेशन आ रहा है, जिसका डायरेक्शन सुधा कोंगारा ने किया है। फिल्म में अक्षय कुमार और राधिका मदान के साथ परेश रावल और सीमा बिस्वास ने भी अहम किरदार निभाए है। फिल्म इस साल 12 जुलाई को थिएटर्स में रिलीज होगी।

बैड न्यूज का ट्रेलर रिलीज, छा गई विक्की कौशल, तृप्ति डिमरी और एमी विर्क की तिकड़ी

आने वाले दिनों में पर्दे पर कई नई जोड़ियां देखने को मिलेंगी। उन्हीं में से एक है विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी की जोड़ी, जो जल्द ही फिल्म बैड न्यूज़ में नजर आएगी।बीते दिन फिल्म का नया पोस्टर सामने आया था, जो बेहद दिलचस्प था। कुछ ही दिन पहले यह ऐलान हुआ था कि 28 जून को फिल्म का ट्रेलर रिलीज होगा। अब आखिरकार यह इंतजार खत्म हो गया है।आइए जानते हैं कैसा है बैड न्यूज़ का ट्रेलर।

विक्की अखिल चड्ढा, तृप्ति सलोनी और एमी गुरबीर पाजी का किरदार निभाते नजर आ रहे हैं। तृप्ति ने जहां फिल्म में ग्लैमर का तड़का लगाया है, वहीं विक्की और एमी के साथ उनका रोमांस भी देखने को मिल रहा है।नेहा धूपिया भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। इस फिल्म की कहानी भी गुड न्यूज की तरह एक बच्चे के इर्द-गिर्द रची गई है।ट्रेलर देख लगता है कि दर्शकों को जल्द ही कॉमेडी का जबरदस्त डोज मिलने वाला है।

इस कॉमेडी फिल्म का नाम पहले मेरे महबूब मेरे सनम रखा गया था। बाद में निर्माताओं ने इसका नाम बदलकर बैड न्यूज कर दिया।इशिता मोइत्रा और तरुण डुडेजा ने मिलकर इस फिल्म को लिखा है, वहीं निर्देशक आनंद तिवारी और निर्माता करण जौहर हैं।फिल्म को वास्तविक घटना से प्रेरित बताया जा रहा है। कहा जा रहा है कि बॉलीवुड में अभी तक ऐसी कोई फिल्म नहीं बनी हैं।यह फिल्म अगले महीने 19 जुलाई को सिनेमाघरों में आएगी।

विक्की पीरियड ड्रामा फिल्म छावा में भी नजर आएंगे। इस फिल्म में रश्मिका मंदाना उनकी पत्नी बनी हैं। फिल्म लव एंड वॉर भी उनके पास है, जिसमें उनके साथ पहली बार रणबीर कपूर और आलिया भट्ट स्क्रीन साझा करते दिखेंगे।तृप्ति को जल्द ही कार्तिक आर्यन के साथ फिल्म भूल भुलैया 3 और राजकुमार राव के साथ फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में देखा जाएगा।दूसरी ओर एमी फिल्म खेल खेल में अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगे।

करण के धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बैड न्यूज के अलावा कई फिल्में बन रही हैं।एक तरफ आलिया की जिगरा पर करण काम कर रहे हैं, वहीं अक्षय कुमार की शंकरा और सिद्धांत चतुर्वेदी की धड़क 2 भी उनके पास है। सरजमीं, नादानियां, सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी और द बुल के निर्माता भी करण ही हैं।इसके अलावा एक स्पाई कॉमेडी फिल्म में करण अभिनेता आयुष्मान खुराना और सारा अली खान को साथ ला रहे हैं।

मानसून में फैशन के लिए नायलॉन और पॉलिएस्टर का इस्तेमाल करती हैं विदिशा

टीवी के पॉपुलर शो भाबीजी घर पर हैं में गोरी मेम का रोल अदा करने वाली विदिशा श्रीवास्तव ने मानसून फैशन ट्रेंड्स पर बात की। उन्होंने कहा कि वह मानसून में नायलॉन और पॉलिएस्टर जैसी सिंथेटिक मटेरियल पहनना पसंद करती हैं, क्योंकि वे मॉइश्चर-रेजिस्टेंस है और जल्दी सूख जाते हैं।

मानसून फैशन का मतलब है स्टाइलिश और कंफर्टेबल रहते हुए मौसम को एन्जॉय करना। विदिशा सिटकॉम भाबीजी घर पर हैं में अनीता भाभी का किरदार निभा रही हैं। उन्होंने कहा, बारिश के मौसम में, आपको स्टाइल से समझौता करने की जरूरत नहीं है। जब बारिश शुरू होती है, तो मैं नायलॉन और पॉलिएस्टर जैसे सिंथेटिक कपड़े पहनना पसंद करती हूं, जो मॉइश्चर को सोख लेते हैं और जल्दी सूख जाते हैं।

उन्होंने कहा, मैं बारिश में हैवी कॉटन और वूलन कपड़ों को पहनने से बचती हूं, क्योंकि इन्हें सूखने में ज्यादा समय लगता हैं। मुझे ज्यादा आकर्षक दिखने के लिए ब्राइट और बोल्ड प्रिंट वाले कपड़े पहनना पसंद है। प्लास्टिक जूलरी इस मौसम में फैशनेबल बने रहने के लिए एक बढ़िया ऑप्शन है।

विदिशा ने कहा, मेरा पसंदीदा लुक एक स्टाइलिश वाटरप्रूफ जैकेट है, जिसे कलरफुल वाटरप्रूफ फुटवियर के साथ पेयर करना, और अपने आउटफिट में स्टाइल जोड़ने के लिए एक ट्रेंडी, कॉम्पैक्ट छाता ले जाना न भूलें।

वर्कफ्रंट की बात करें तो, विदिशा ने 2007 में एसपी एंटरटेनमेंट की तेलुगु फिल्म मां इद्दारी मध्य से एक्टिंग की शुरुआत की थी। उन्होंने अला, प्रेम, अथिली सत्तीबाबू एलकेजी जैसे अन्य तेलुगु प्रोजेक्ट्स में भी काम किया। वह कन्नड़ फिल्म नलि नलियुथा का हिस्सा रहीं। तमिल फिल्मों में उन्होंने कथावरायण और मलयालम फिल्म लकी जोकर्स में भी काम किया है।

छोटे पर्दे की बात करें तो उन्होंने टीवी शो ये है मोहब्बतें से शुरुआत की थी। इसके बाद, वह मेरी गुड़िया, श्रीमद् भागवत महापुराण, दुर्गा-माता की छाया और काशीबाई बाजीराव बल्लाल जैसे टीवी शो में नजर आईं।

विदिशा अपनी पर्सनल लाइफ को सीक्रेट रखती हैं। उन्होंने साल 2018 में सायक पॉल संग बनारस में सात फेरे लिए। शादी के पांच साल बाद, पिछले साल जुलाई में कपल ने अपने पहले बच्चे का स्वागत किया। भाबीजी घर पर हैं एंड टीवी पर प्रसारित होता है।

शमा सिकंदर ने एनिमल प्रिंटेड मोनोकिनी पहन स्विमिंग पूल में लगाई आग

टीवी एक्ट्रेस शमा सिकंदर सोशल मीडिया पर हमेशा ही अपनी बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरों से धमाल मचाती रहती हैं। आए दिन वह अपनी हॉट तस्वीरें और वीडियो शेयर कर फैंस को दीवाना बनाती रहती हैं। हाल ही में, शमा ने फिर से इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ ऐसी तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह स्विमिंग पूल में एनिमल प्रिंटेड मोनोकिनी पहने नजर आ रही हैं।

इन तस्वीरों में शमा लाइट मेकअप और खुले बालों के साथ बेहद हॉट लग रही हैं। उन्होंने पोज देते हुए अपनी टोन्ड बॉडी को फ्लॉन्ट किया है। शमा की इन तस्वीरों को देखकर उनके फैंस कमेंट करने से खुद को रोक नहीं पा रहे हैं। टीवी एक्ट्रेस से लेकर बॉलीवुड का सफर तय करने वाली शमा सिकंदर आए दिन अपनी बोल्ड तस्वीरों को लेकर खबरों में रहती हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही इंटरनेट का पारा हाई कर देता है।

एक्ट्रेस शमा सिकंदर आए दिन सोशल मीडिया पर अपनी ग्लैमरस अदाओं के चलते लाइमलाइट में रहती हैं। उनका हर एक अंदाज इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही कहर बरपाता है। बता दें एक्ट्रेस शमा सिकंदर जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।

सुबह उठते ही तुरंत लग जाती है भूख? तो हो सकती है इस गंभीर बीमारी के शुरुआती संकेत

रात में पेट भर खाना खाने के बाद जब आप सुबह उठते हैं और आपको फिर से तेज भूख लग जाती है? क्या यह सही है? इन सब के अलावा अगर गला सूखने के साथ कमजोरी होने लगती है तो फिर यह सही संकेत नहीं है। इस आर्टिकल के जरिए जानेंगे कि आखिर किन कारणों से शरीर का यह हाल होता है।

ब्लड शुगर लेवल से है कनेक्शन

कुछ लोगों के साथ अक्सर ऐसा होता है कि सुबह उठने के साथ ही भूख लग जाती है। लगता है जैसे पेट एकदम से खाली हो गया है। रात में भर पेट खाने के बाद भी सुबह पेट एकदम खाली लगता है। जैसे शरीर में कोई दम ही नहीं है। तो घबराएं नहीं आप एकलौते ऐसे व्यक्ति नहीं है जिसके साथ यह दिक्कत हो रही है। दरअसल, जब सुबह पेट खाली होता है तो थकावट और कमजोरी महसूस होती है। ऐसा होने के पीछ कई साइंटिफिकल रीजन है। दरअसल, ब्लड शुगर लेवल और हार्मोन के उतार-चढ़ाव भूख लगने का कारण है।

सुबह उठते ही भूख लगने के कारण

जब आप रात में खाना खाते हैं तो अचानक से ब्लड में शुगर लेवल तेजी से बढ़ता है। लेकिन कुछ वक्त के बाद खाना पचने के साथ धीरे-धीरे कम होने लगता है। शुगर लेवल कम होते ही वापस भूख लगने लगती है। रात में खाने में अगर आप ज्यादा मात्रा में नमक खाएंगे तो शरीर में पानी की कमी होने लगती है। जिसके कारण प्यास ज्यादा लगती है और तेज भूख भी लगती है।

सुबह उठते ही 2 ग्लास पानी जरूर पीना चाहिए

एक रिपोर्ट के मुताबिक रात में खाने खाने के बाद पेनक्रियाज में ज्यादा इंसुलिन बनता है। ज्यादा इंसुलिन ब्लड के शुगर लेवल को कम कर देता है। वहीं रात में अगर आप ज्यादा सोडियम खाते हैं शरीर में पानी की कमी होने लगती है। जो आगे जाकर भूख के रूप में बदल जाता है। सुबह उठते ही कम से कम 2 ग्लास पानी जरूर पीना चाहिए।

रात में जल्दी खाना क्यों है जरूरी?

सुबह उठते ही भूख लगना कोई बीमारी नहीं है बल्कि इसके साइंटिफिक कारण है। सुबह उठने के साथ ही भूख न लगे इसलिए आपको इन चीजों का खास ख्याल रखना चाहिए। सबसे पहले देर रात खाना न खाएं। अगर आपको ऐसी आदत है तो बिल्कुल छोड़ दें। क्योंकि यह आपकी सेहत के लिए बहुत खतरनाक है। आपको सोने से 2 घंटे पहले खाना खा लेना चाहिए। इससे आपके खाने आसानी से पच जाते हैं। इससे आपको सुबह उठते ही भूख लगने की दिक्कत नहीं होगी।

खाना खाने के बाद आधे घंटे वॉक जरूर करना चाहिए। खाना खाने के बाद टहलने से खाना आसानी से पच जाता है। साथ ही साथ यह आपके पाचन तंत्र कते लिए भी बहुत अच्छा होता है। कोशिश करनी चाहिए कि रात में जल्दी खा लें इससे आपकी पाचन से जुड़ी समस्या नहीं होगी।

खास खबर

आर्थिक एवं सांख्यिकीय संचालनालय में राष्ट्रीय सांख्यिकीय दिवस मनाया गया

रायपुर। राष्ट्रीय सांख्यिकीय दिवस 29 जून को मनाया जाता है। छत्तीसगढ़ के आर्थिक एवं सांख्यिकीय संचालनालय के संचालक श्रीमती रोक्तिमा यादव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अधिकारी एवं कर्मचारियों को सही आंकड़ों के चयन करने, सही आंकड़ों की महत्ता, नये कार्यों को हमेशा सीखने और उसे सफल बनाने हेतु प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिक एवं सांख्यिकीविद प्रोफेसर महालनोविस के जन्म दिवस 29 जून को राष्ट्रीय सांख्यिकीय दिवस के रूप में मनाया जाता है। सांख्यिकीय संचालक रोक्तिमा यादव ने कहा कि प्रोफेसर पी.सी. महालनोविस के द्वारा आंकड़ों के संग्रहण, विश्लेषण तथा योजना निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया गया है। प्रो. महालनोविस द्वारा मानव विज्ञान, मौसम विज्ञान तथा जीव विज्ञान के क्षेत्र में सांख्यिकी तकनीक का प्रयोग किया। संयुक्त संचालक नारायण बुलिवाल ने कहा कि प्रोफेसर महालनोविस जी का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत करते हुए बताया गया कि महालनोविस ने भौतिकी, गणित तथा सांख्यिकी में पढ़ाई की। योजना आयोग के सदस्य भी नियुक्त हुए तथा उनके द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था के गणितीय मॉडल के आधार पर भारतीय अर्थव्यवस्था की व्याख्या की गई। वे योजना आयोग के सदस्य भी नियुक्त हुए तथा उनके द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था के गणितीय मॉडल के आधार पर भारतीय अर्थव्यवस्था की व्याख्या की गई। भारत की द्वितीय पंच वर्षीय योजना इन्ही महालनोविस मॉडल पर आधारित थी जिसके आधार पर भारी उद्योगों की स्थापना की गई।

आजादी की लड़ाई में जनजातीय समाज का महत्वपूर्ण योगदान: मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज भाटापारा नगर के कृषि उपज मंडी परिसर में आदिवासी गोंड़ समाज माँ मांवली महासभा द्वारा आयोजित सांस्कृतिक भवन लोकार्पण एवं रानी दुर्गावती बलिदान दिवस समारोह में शामिल हुए। इस दौरान समाज के पदाधिकारियों ने साफा पहनाकर उनका स्वागत किया।

श्री साय ने सम्मेलन में आदिवासी समाज के सामाजिक भवन के आहता निर्माण हेतु 22 लाख रूपये, वहां तक सीसी रोड के लिए 25 लाख रूपये की घोषणा की है। साथ ही गुर्रा से जोगीद्वीप मेला स्थल तक सड़क निर्माण हेतु 1 करोड़ 30 लाख रूपये की घोषणा की।

उन्होंने इसके अतिरिक्त तरेंगा से दौरेंगा तक सड़क निर्माण के लिए प्रस्ताव बनाकर शासन को प्रेषित करने के निर्देश कलेक्टर को दिए। मुख्यमंत्री ने मुख्य मंच से प्रधानमंत्री आवास योजना के 5 हितग्राहियों को घर की चाबी, 3 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड, 4 हितग्राहियों को जाति प्रमाण पत्र एवं समाज के मेधावी छात्र छात्राओं का सम्मान किया। इस दौरान रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक बिल्हा धरम लाल कौशिक, पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा, पिंकी ध्रुव, लच्छूराम कश्यप, समाज प्रमुख बंशीलाल नेताम, कलेक्टर दीपक सोनी, पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल उपस्थित रहे।

समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने जनजातीय गौरव की भावना को सुदृढ़ बनाने के लिए हर साल 15 नवम्बर को जनजातीय गौरव दिवस की शुरुआत की। इसके साथ ही रानी दुर्गावती का भव्य स्मारक जबलपुर में तैयार कराया गया है। देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जनजातीय समाज से हैं। उनका इस सर्वोच्च पद में आसीन होना जनजातीय समाज के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने ने कहा कि समाज एकजुट होकर और शिक्षा प्राप्त कर आगे बढ़े। शिक्षा विकास का मूलमंत्र है। किसी भी क्षेत्र में तरक्की करना है, तो शिक्षा जरुरी है। उन्होंने युवाओं को नशापान से दूर रहने की नसीहत देते हुए कहा कि नशापान से युवा गुमराह हो रहे हैं। उन्हें सही दिशा में अपनी ऊर्जा और क्षमता लगाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार किये गए वायदे को तेजी से पूरा कर रही है। हमने धान के बकाया बोनस की राशि, 3100 रुपये मे धान खरीदी और एक मुश्त राशि किसानों के खाते में राशि अंतरित किया है। महतारी वंदन योजना अंतर्गत 70 लाख महिलाओं के खाते में हर महीना एक हजार रूपये दिया जा रहा है। राम भक्तों को रामलला के दर्शन के लिए रामलला दर्शन योजना शुरू की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात में एक पेड़ माँ के नाम लगाने का आह्वान किया है। उनके आह्वान को पूरा करने हम सभी को प्रयास करना है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि सभी अपने माँ के नाम से माँ के साथ एक पेड़ जरूर लगाएं। इस तरह से पेड़ लगाएंगे तो उसकी देख भाल बहुत अच्छे से होगी और पेड़ जल्द विकसित होगा। उन्होने कहा कि बढ़ते प्रदूषण से पर्यावरण को बचाने में वृक्षारोपण बहुत जरुरी है। समारोह को रायपुर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक बिल्हा श्री धरम लाल कौशिक, पूर्व विधायक भाटापारा श्री शिवरतन शर्मा ने भी सम्बोधित किया। बड़ी संख्या में ग्रामीण और दूर दराज से आएं आदिवासी समाज के पदाधिकारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नि-क्षय पोटल पर एन्ट्री से आयुष्मान आरोग्य मंदिर की सक्रियता दिखेंगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम में नि-क्षय पोटल में एन्ट्री एक महत्वपूर्ण सूचकांकों में से एक है इस दिशा में आकांक्षी प्रतापपुर में अच्छी पहल की जा रही हैं। सर्वाधिक एन्ट्री आयुष्मान आरोग्य मंदिर सरहरी, केवरा और दवनकरा की दिख रही है। हालांकि इस दिशा में सभी केन्द्र प्रयासरत है। विगत दिनों पिरामल फाऊंडेशन के राज नारायण द्विवेदी और महेन्द्र तिवारी ने विजिट कर कुछ केन्द्रों में इसके लिए एडवोकेसी किया परिणाम अच्छा आने का संकेत है।

जहां कहीं कुछ समस्या आ रही थी उसे तत्काल समाधान के लिए सुझाव भी प्रेषित किया गया। आयुष्मान आरोग्य मंदिर दवनकरा में सम्पर्क कर स्वास्थ्य कार्यकर्ता से राज नारायण द्विवेदी ने चर्चा करते हुए कहा कि टीबी को लेकर सभी को गम्भीर रहना है टीबी मुक्त भारत के लिए केन्द्र और राज्य दोनों का फोकस है सूरजपुर जिला में विशेष महाअभियान भी चल रहा है इस लिए जमीनी स्तर से लेकर आनलाईन पोटल तक के रिपोर्ट को बारिकी पूर्ण ढ़ंग से समीक्षा हो रही है दवनकरा किसी भी विषय वस्तु में पीछे न रहें। दवनकरा के स्वास्थ्य कार्यकर्ता बड़े लगन से स्वास्थ्य विभाग के कार्यक्रमों को गम्भीरता पूर्वक करते हैं। उनके परिश्रम का फल मिलना चाहिए। सीएचओ विनिता एक्का व्यक्तिगत रूप से टीबी पेसेंटों के घर सम्पर्क कर समझाई देती जिससे पेशेन्ट खुश रहते हैं। एएनएम का प्रयास भी अच्छा है। इन्हीं तथ्यों को देखते हुये दवनकरा टीबी मुक्त पंचायत के ओर अग्रसर हो रहा है। नि-क्षय पोटल की समीक्षा बीपीएम सतीश श्रीवास्तव एवं बीडीएम विनित कुमार द्वारा लगातार करने से परिणाम अच्छा आ रहा है। नि-क्षय पोटल पर एन्ट्री अनिवार्य और आवश्यक है इससे ब्लॉक और आयुष्मान आरोग्य मंदिर की उपलब्धियां दिखेंगी।

चिखली संकुल स्तरीय प्रवेशोत्सव में विधायक कोर्सेवाड़ा ने दी शाला भवन की सौंगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। संकुल स्त्रोत केंद्र चिखली, विकासखंड दुर्ग में दिनांक 29 जून 2024 को संकुल स्तरीय प्रवेशोत्सव का आयोजन संकुल प्राचार्य कल्पना अग्रवाल के मार्गदर्शन में किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अहिवारा विधानसभा के विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा ने आयोजन को गौरवान्वित किया।

मध्यप्रदेश शासन के पूर्व मंत्री जागेश्वर साहू के द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता की गयी. ग्राम पंचायत चिखली की सरपंच सुनीता यादव तथा जेवरा-सिरसा मण्डल अध्यक्ष जितेन्द्र यादव विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित रहे. शिक्षा विभाग से विकासखंड स्त्रोत समन्वयक श्रवण कुमार सिन्हा इस प्रवेशोत्सव में नवप्रवेशी बच्चों के उत्साहवर्धन हेतु शामिल हुए. सरस्वती वंदना पश्चात् संकुल प्राचार्य द्वारा स्वगर उद्बोधन दिया गया. प्रवेशोत्सव में चिखली संकुल के बच्चों ने सुन्दर सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। संकुल स्तरीय प्रवेशोत्सव में विधायक ने भवन विहीन शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला चिखली के भवन निर्माण के लिए 15 लाख रुपये स्वीकृत करके संकुल परिवार को अमूल्य सौगात दी, जिसके लिए सम्पूर्ण संकुल परिवार उनका आभारी है।

शिक्षा विभाग की ओर से विकासखंड शिक्षा अधिकार गोविन्द साव जी ने इस भेंट के लिए विधायक महोदय का आभार व्यक्त किया। विधायक महोदय के द्वारा शिक्षा की महत्ता तथा सफल जीवन हेतु लक्ष्य निर्धारण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। संकुल समन्वयक अनुपम अग्रवाल के द्वारा मुख्यमंत्री साय के सन्देश वाचन के पश्चात् सभी नवप्रवेशी बच्चों को तिलक लगाकर तथा मिष्ठान्न खिलाकर पाठ्यपुस्तकों तथा गणवेश का वितरण किया गया।

संतोष कुमार जांगड़े तथा नेम सिंह साहू ने मंच संचालन का दायित्व निर्वहन किया। सुरेन्द्र कुमार स्वर्णकार, सरला बेलचंदन, बिंदु साहू, इन्द्राणी राउत सहित संकुल के समस्त शिक्षकों का इस आयोजन को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग रहा।

मुख्यमंत्री की पहल पर शुरू हुआ यह सदन दूर दराज के मरीजों के लिए बना आशा का केन्द्र

सीएम साय पहुंचे कुनकुरी सदन, मरीजों से पूछा हालचाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर प्रदेश के दूर दराज के क्षेत्र से उपचार के लिए रायपुर आने वाले मरीज और उनके स्वजनों की सुविधा के लिए कुनकुरी सेवा सदन शुरू किया गया है। इस सदन में विभिन्न बीमारियों से जूझ रहे मरीजों और उनके परिजनों के रहने की अच्छी व्यवस्था हैं। यहां मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा और मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाता है। यहां डॉक्टर सहित मेडिकल टीम और मरीजों को अस्पताल लाने ले जाने के लिए एंबुलेंस की सेवा भी नि:शुल्क उपलब्ध है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय रविवार सुबह कुनकुरी सेवा सदन पहुंचे और यहां रहकर स्वास्थ्य लाभ उठा रहे मरीजों और उनके परिजनों से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने मरीजों से उनकी बीमारी और चल रहे उपचार की जानकारी लेने के साथ ही कुनकुरी सदन में मिल रही सुविधा के संबंध में विस्तार से जाना। इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा और विधायक पुरंदर मिश्रा भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री से चर्चा के दौरान सदन के अधिकारियों ने उन्हें बताया कि बचपन से दिव्यांग कांसाबेल से आयी सात वर्षीय बालिका रिया को पिछले दो महीने से फिजियोथेरेपी का लाभ मिलने से अब उसकी सेहत में सुधार दिखने लगा है। वहीं कुनकुरी से आयी रीटा कायतर दुर्घटना के पश्चात चल पाने में असमर्थ थी। परंतु अब कुनकुरी सदन में रहकर डीकेएस हॉस्पिटल से निरंतर फिजियोथेरेपी कराने पर उनके स्वास्थ्य में सुधार हुआ है। दो माह पूर्व बस्तर में सड़क दुर्घटना में घायल नीतिश कुमार का एक पैर काटना पड़ा। वर्तमान में उनका उपचार डीकेएस हॉस्पिटल में हो रहा है। उन्हें और उनके परिजनों को सदन में ठहरने एवं भोजन की अच्छी व्यवस्था मिल रही है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कुनकुरी सदन में महिला एवं पुरूष डॉक्टर तथा मेडिकल स्टॉफ पदस्थ हैं, जो यहां पर सबकी सेवा कर रहे हैं। यहां दूरस्थ अंचलों से मरीज इलाज के लिए आए हुए हैं। यहां किसान से लेकर सभी वर्ग के लोग इलाज के लिए आते हैं। सभी को सदन में मार्गदर्शन भी दिया जाता है और उनका सहयोग भी किया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरे विधानसभा क्षेत्र के नाम पर इस सदन का नाम कुनकुरी सदन रखा गया है। यहां पर प्रदेश भर से इलाज के लिए आए मरीजों को जिन्हें किसी मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है और शुरुआती दौर में अस्पताल में बेड अलॉट नहीं हो पाता उन्हें यहां के अधिकारी सहयोग करते हैं, मार्गदर्शन देते हैं। अस्पताल में चिकित्सकों से बात करके उनका समुचित इलाज की व्यवस्था भी करते हैं।

डिप्टी सीएम अरुण साव ने सभी नगरीय निकायों में प्री-ऑडिट के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने नगरीय निकायों में वित्तीय अनुशासन में कसावट लाने सभी आय एवं व्ययों के प्री-ऑडिट के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पिछली सरकार द्वारा ऑडिट प्रक्रिया बंद कर दिए जाने के कारण ऑडिट से रह गए विगत चार वर्षों की नस्तियों के पोस्ट ऑडिट कराने के भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने प्रदेश की सभी 184 नगरीय निकायों के साथ ही नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के यांत्रिकी प्रकोष्ठ तथा राज्य शहरी विकास अभिकरण का भी ऑडिट कराने को कहा है।

उप मुख्यमंत्री साव ने नगरीय निकायों में कड़े वित्तीय अनुशासन के लिए प्री-अंकेक्षण-सह-आंतरिक अंकेक्षण की प्रक्रिया को पुन: प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं। उनके निर्देश पर सभी 184 नगरीय निकायों तथा दो राज्य कार्यालयों, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के यांत्रिकी प्रकोष्ठ और सूडा को भी प्री-अंकेक्षण-सह-आंतरिक अंकेक्षण एवं वैधानिक दायित्व के परिपालन के दायरे में लाते हुए सूडा द्वारा कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने प्री-अंकेक्षण-सह-आंतरिक अंकेक्षण की जरूरत को रेखांकित करते हुए कहा कि नगरीय निकायों में अंकेक्षण प्रारंभ होने से सभी भुगतान नस्तियों का परीक्षण प्री-ऑडिट के माध्यम से सीए फर्म द्वारा किया जाएगा। इससे भुगतान संबंधी सभी नियमों का परिपालन सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि अंकेक्षण प्रारंभ होने के बाद पूर्ववर्ती सरकार द्वारा ऑडिट बंद किए जाने के बाद की समस्त नस्तियों का नवीन सीए फर्म की नियुक्ति के बाद पोस्ट ऑडिट कराया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि नगरीय निकायों में वित्तीय अनुशासन की अनिवार्यता एवं महत्ता को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ में प्रथम बार प्री-अंकेक्षण-सह-आंतरिक अंकेक्षण का कार्य वर्ष 2015-16 से प्रारंभ किया गया था। नगर पालिक निगम अधिनियम-1956, नगर पालिका अधिनियम-1961 एवं संबंधित नियम, कार्य विभाग मैन्युअल, भण्डार क्रय नियम तथा राज्य शासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय के अंतर्गत आने वाले निकायों में आंतरिक अंकेक्षण के लिए पांच समूहों में पृथक-पृथक अनुभवी चार्टर्ड एकाउन्टेंट एजेंसीज को आंतरिक अंकेक्षक नियुक्त किया गया था।

निकाय स्तर पर वैधानिक दायित्वों का सामान्यत: पालन किया जाता है। किंतु कुछ कमियों के कारण विभिन्न राजस्व विभागों जैसे जीएसटी, आयकर, पीएफ, ईएसआईसी इत्यादि द्वारा नोटिस एवं मांग पत्र निकायों को भेजे जाते हैं। इससे बचने तथा वैधानिक दायित्वों के सुचारू एवं नियमित परिपालन के लिए नए सीए फर्म्स की नियुक्ति कर प्री-ऑडिट कराया जाएगा।

निकायों में आंतरिक अंकेक्षण से हुए थे ये लाभ

प्रदेश के नगरीय निकायों में पूर्व में कराए गए आंतरिक अंकेक्षण से कड़े वित्तीय अनुशासन को लागू करने में बहुत मदद मिली थी। प्री-ऑडिट कराए जाने से निकायों में बजट के मद परिवर्तन को रोका गया। विभिन्न निर्माण एवं प्रदाय कार्यों से संबंधित भुगतान पर नियंत्रण होने से निकायों में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से 100 करोड़ रुपए से अधिक की बचत हुई। सेट-अप के अनुसार स्थापना व्यय के भुगतान की अनुशंसा से अतिरिक्त व्यय पर नियंत्रण हुआ। साथ ही वैधानिक दायित्वों के समय पर निराकरण एवं भुगतान में सुधार के कारण नगरीय निकायों पर लगने वाले शास्ति में कमी आई थी। इस प्री-ऑडिट के काम को पिछली सरकार द्वारा अक्टूबर-2020 में बंद कर दिया गया था।

नया कानून के संबंध में प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

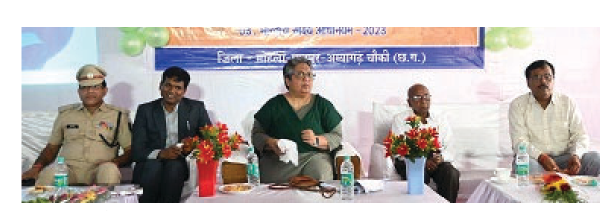

श्रीकंचनपथ न्यूज

मोहला। कानूनों में एकरूपता लाने, पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए नये कानून भारतीय न्याय संहिता भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता भारतीय साक्ष्य अधिनियम कल 01 जुलाई से प्रभावशील होगा। इन तीनो कानूनो के प्रति लोगो मे जागरुकता लाने के उद्देश्य से अंबागढ़ चौकी टाउन हॉल सभागार मे एक परिचर्चा का आयोजन किया। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि सुषमा सावंत जिला एवं सत्र न्यायालय राजनंदगांव, कलेक्टर एस जयवर्धन, पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह जनप्रतिनिधीगण सहित मिडिया कर्मी उपस्थित थे ।

परिचर्चा को सम्बोधित करते हुए जिला जज सुषमा सावंत ने बताया कि इस कानून के लागू हो जाने से न्याय प्रक्रिया और मजबूत होगी। उन्होने बताया कि इस कानून के लागू हो जाने से लोगो की मानसिकता परिवर्तन होगी और गवाह सामने आयेगे। इस कानून के तहत पुलिस और कोर्ट को समय सीमा का निर्धारण किया गया है। इसके साथ ही पीडित पक्ष की सुविधाओ को रखा गया है। इसके अलावा केस का जल्द निराकरण किया जायेगा। जिससे विचाराधीन बंदियो को फायदा मिलने की बात कही।

इस मौके पर पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह ने बताया कि सभी को न्याय समय पर मिल सके इसी उद्देश्य को लेकर केन्द्र सरकार नये कानून को लागू किया जा रहा है। इस कानून के तहत विडियो ग्राफी सहित नये धाराओ पर बल दिया गया है। और आई पी सी की धाराओ को विलोपित किया गया है। इस कानून का लागू हो जाने से पुलिस विवेच को प्रार्थी पीडितो को फायदा पहुंचेगा। ई-एफआईआर, जीरो-एफआईआर ई-साक्ष्य के संबंध में जानकारी दी गई। उल्लेखनीय है कि पुराने कानून ब्रिटिश काल से चले आ रहे थे। जिसे प्रासंगिक बनाने के लिए एवं निर्धारित समय-सीमा में प्रकरणों का समाधान करने के लिए परिवर्तन किया गया है। इस बदलाव से अपराधियों के खिलाफ एफआईआर करने में दिक्कत नहीं होगी।

न्यू किट्टी बुक एंड स्टेशनरी मार्ट
• खाता बही, माला,
• फ्लावर झालर,
• लेजर बुक,
• कैश बुक,
• रोकड़ बही खाता
• कैलेंडर स्टेशनरी सामान
किसी भी बुक एंड स्टेशनरी में जाने से पहले एक बार न्यू किट्टी में जरूर पधारें...
नेहरू भवन रोड, सुपेला, भिलाई, मो.-9584917866, 6261748903

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर, अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

आकाशीय बिजली गिरने से किसान की मौत, बैल की भी गई जान; परिजनों में मचा कोहराम

बलरामपुर। रामानुजगंज में शनिवार शाम चार बजे के करीब रामचंद्रपुर विकासखंड के ग्राम पीपरोल में बिजली गिरने से घर के अंदर बैठे किसान की मौत हो गई। वही घर के बाहर किसान के बैल पर भी बिजली गिरा जिससे उसकी मौत हो गई। घटना से पूरे गांव में मातम पसर गया। घटना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम पीपरोला के गम्हारपारा में रहने वाले किसान श्याम बिहारी गुप्ता पिता सुदेश्वर साहू उम्र 55 वर्ष शाम चार बजे के करीब अपने घर के अंदर थे। इसी दौरान बिजली के गिरने से उनकी स्थिति गंभीर हो गई, जिसके बाद उन्हें रामानुजगंज अस्पताल लाया गया। लेकिन इसी दौरान उनकी मौत हो गई। बिजली गिरने से मृतक किसान श्याम बिहारी के घर के बाहर बैल की भी मौत हो गई। घटना की सूचना पर पूर्व जनपद उपाध्यक्ष संजय गुप्ता भी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घटना पर दुख व्यक्त किया।

बाइक बेकाबू होने से दो ग्रामीण गिरे, एक की मौत

कोरबा। नुनेरा के भीमसेनिया जंगल से गुजरते समय तेजरफ्तार बाइक के बेकाबू होने से इसमें सवार दो लोग सड़क पर गिर गए। इनमें से एक को गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई।दीपका थाना अंतर्गत नोनबिर्रा निवासी नटवर प्रसाद दुबे ऊर्फ निरू (25) अपने साथी खिलेन्द्र राजपूत के साथ अपनी बाइक सीजी-12-बीजे-3359 में गुरुवार को पाली गया था। यहां से दोपहर 2 बजे वे दीपका की ओर लौट रहे थे। इस दौरान बाइक नटवर चला रहा था। दोपहर करीब 2 बजे उनकी बाइक पाली से दीपका के बीच नुनेरा के भीमसेनिया जंगल मेन रोड से गुजर रही थी। इस दौरान बाइक तेजरफ्तार होने से बाइक बेकाबू होकर सड़क पर गिर गई। इससे वे दोनों भी सड़क पर गिरकर घायल हो गए। इनमें से नटवर प्रसाद की गंभीर चोट लगने से मौके पर मौत हो गई, जबकि खिलेन्द्र के हाथ-पैर में चोट पहुंची।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म आरोपी को 10 साल कारावास

राजनांदगांव। शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को कोर्ट ने दस साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। फास्ट ट्रैक कोर्ट के अपर सत्र न्यायाधीश विजय कुमार साहू ने उक्त फैसला सुनाया है।

अतिरिक्त लोक अभियोजक आदित्य प्रकाश श्रीवास्तव ने बताया कि मोहला थाना क्षेत्र निवासी छत्रपाल धावड़े का पढ़ाई के दिनों से परिचय था। जिससे आरोपी छत्रपाल ने शादी का प्रलोभन देकर प्रेम प्रसंग स्थापित किया। इसके बाद लगातार उससे दुष्कर्म करता रहा। इसी बीच पीड़िता गर्भवती हो गई। जिसके बाद आरोपी उसे गर्भपात के लिए दबाव डालने लगा। इसके बाद भी आरोपी ने पीड़िता से विवाह नहीं किया। जिसकी शिकायत पीड़िता ने थाने में दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक रिमांड में भेज दिया था। मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में चल रही थी, सुनवाई पूरी होने के को कोर्ट ने आरोपी छत्रपाल धावड़ को दस साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है।

छत्तीसगढ़ में यात्रियों से भरी बस पलटी बच्ची की मौत: 30 से ज्यादा घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में रविवार दोपहर यात्रियों से भरी बस पलटने से एक बच्ची की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि हादसे में 30-35 यात्री घायल हैं। घायलों को सिम्स और जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा तोरवा थाना क्षेत्र में हुआ है।

जानकारी के मुताबिक, जयेश ट्रेवल्स की बस बिलासपुर से सारंगढ़ जा रही थी। गुरु नानक चौक से निकलकर लालखदान ओवर ब्रिज के पास पहुंची थी। तभी सामने से एक बाइक सवार आ गया। उसे बचाने की चक्कर में बस अनियंत्रित हो गई। बेकाबू बस सड़क के पास बिजली के पोल से जा टकराई और पलट गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पोल भी टूटकर गिर गया। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग पहुंचे और घायलों को बाहर निकाला। साथ ही पुलिस को भी हादसे की सूचना दी।

सूचना मिलने पर पुलिस भी पहुंच गई। हादसे में कई यात्रियों के सिर, पैर और पीठ में गंभीर चोटें आई है। इसके अलावा एक बच्ची की मौत हो गई है और 12 से ज्यादा बच्चे गंभीर रूप घायल हो गए हैं। मौके पर अफरा-तफरी का माहौल है। बताया जा रहा है कि हादसे के समय बस में 50 से ज्यादा यात्री थे। पुलिस का कहना है कि अभी घायलों की जानकारी नहीं मिल पाई है। फिलहाल उन्हें इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। सभी यात्रियों की जानकारी जुटाई जा रही है।

पुलिस के अनुसार इस हादसे में मुलमुला क्षेत्र के अमोरा की रहने वाली एक माह की नवजात बच्ची की मौत हुई है। अपने माता-पिता के साथ बच्ची बस में सवार थी। उसके पिता दूजराम यादव 27 साल और मां राजेश्वरी यादव 25 साल दोनों घायल हैं और अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है।

रायपुर में हो रहा ट्रैफिक सिंग्रल में काम

करीब तीन साल से लगातार इस दिशा में प्रयास किए जाने के बावजूद पूरे प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या बढ़ रही है। रायपुर सबसे ज्यादा रोड इंजीनियरिंग और ट्रैफिक सिग्नल पर काम हो रहा है। इसके बावजूद यहां सड़क दुर्घटनाओं में कमी तो दूर उल्टे इजाफा हो रहा है। पिछले 2 साल के दौरान रायपुर जिले में सड़क दुर्घटनों में 5 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी बताई जा रही है। रायपुर शहर के आउटर में रिंग रोड, भाठागांव, खमतराई, तेलीबांधा अग्रसेन धाम चौक, जोरा टर्निंग, लालपुर, भाठागांव बस टर्मिनल और टाटीबंध व खमतराई-भनपुरी के कुछ पैच ऐसे हैं जिन्हें डेंजर जोन माना जाता है। शहर से सटे मंदिरहसौद का चौराहा भी इसी दायरे में है।

सड़क हादसों में बीते 6 माह में 3 हजार से ज्यादा मौतें

छत्तीसगढ़ में पिछले 6 माह के दौरान 7 हजार से ज्यादा सड़क हादसों में 3 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से सबसे ज्यादा मौतें रायपुर जिले में हुई है। यहां करीब 900 से अधिक छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं हुईं हैं, इनमें ढाई सौ से ज्यादा बाइक और कार सवार लोगों की जान गई है। हैरानी की बात है कि लगभग सभी बड़े हादसों के बाद अंतर्विभागीय लीड एजेंसी रोड सेफ्टी छत्तीसगढ़ के साथ यातायात पुलिस और पीडब्ल्यूडी विभाग की टीम घटनास्थल का निरीक्षण कर ये पता लगाने का प्रयास करती है कि कहां किन वजहों से दुर्घटना हुई है। रोड इंजीनियरिंग में किसी भी तरह की खामी सामने आने पर उसे दूर किया जाता है।

सीएम साय ने जताया दुख

मुख्यमंत्री ने कहा कि, बिलासपुर के पास बस पलटने से एक बच्ची के निधन और 30-35 यात्रियों के घायल होने की दुखद खबर आ रही है। कलेक्टर को घायलों के इलाज की उचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। ईश्वर से दिवंगत बच्ची की आत्मा की शांति और घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

दुर्ग पुलिस की बड़ी कार्रवाई : हैदराबाद से पकड़ाए महादेव बुक के सटोरिए

किराए के मकान में चल रहा सट्टा

भिलाई। महादेव ऐप सट्टा के मामले में दुर्ग पुलिस को एक और सफलता मिली है। दुर्ग पुलिस की एसीसीयू की टीम ने हैदराबाद में महादेव सट्टा ऐप का पैनल चलाने वाले 6 सटोरियों को गिरफ्तार किया है। सभी सटोरिए भिलाई के अलग अलग क्षेत्रों के रहने वाले हैं। सटोरियों के पास से पुलिस ने मोबाइल फोन सहित भारी मात्रा में दस्तावेज जब्त किए हैं। दुर्ग पुलिस सोमवार को इस मामले का खुलासा करेगी।

बता दें पुलिस को इनपुट मिला था कि भिलाई से युवक हैदराबाद में महादेव सट्टा ऐप का पैनल चला रहे हैं। इसके आधार पर एडिशनल एसपी ऋचा मिश्रा के नेतृत्व में दुर्ग पुलिस की एक टीम को हैदराबाद रवाना किया गया। लगभग चार दिन हैदराबाद में रहकर पुलिस ने लोकेशन सर्च किया। एंट्री साइबर क्राइम यूनिट एएसपी ऋचा मिश्रा ने बताया कि भिलाई के कुछ युवक ऑनलाइन महादेव सट्टा एप का पैनल हैदराबाद के तेलंगाना में चला रहे थे। सूचना मिलने के बाद एक टीम गठित कर टीम को रवाना किया गया। जहां एक मकान में छापामार कार्यवाही की। जहां पैनल संचालित करते एक नाबालिग समेत छह युवकों को गिरफ्तार किया है।

दुर्ग क्राइम ब्रांच की टीम तेलंगाना के गच्चीबाउली पहुंची। जहां भिलाई के कैंप निवासी सुजीत साव के द्वारा पैनल चल रहा था और कार्यवाही के दौरान एक आरोपी तीसरे माले से छलांग लगा दी। पुलिस ने जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां उसकी इलाज जारी है। वहीं अन्य आरोपियों को ट्रांजिट रिमांड पर लेकर दुर्ग लगाया गया। पकड़े गए पकड़े गए आरोपियों में बी चंदू निवासी कैंप एक वृंदा नगर 18 नंबर रोड, अभिषेक वर्मा निवासी कुरुद ढांचा भवन जामुल भिलाई, हिमांशु चौहान निवासी कैंप 1 प्रगति नगर छावनी भिलाई, उदय निवासी कैंप 1, उमा पब्लिक स्कूल के पास थाना वैशाली नगर भिलाई, सुजीत साव निवासी कैंप 1 भिलाई समेत एक नाबालिग शामिल है।

घर पर ताला लगाकर दशगात्र में शामिल होने गया परिवार, नगदी और जेवर चोरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सुपेला थाना अंतर्गत एक सूने मकान का ताला तोड़कर चोर नगदी व सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर ले गए। रिपोर्ट पर पुलिस धारा 380, 457 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना कर रही है। पुलिस ने बताया कि रंजना बोरकर ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। प्रार्थी के मुताबिक वह कोसानगर मराठी मोहल्ला सुपेला में रहती है और सब्जी बेचने का काम करती है। 25 जून की सुबह 8 बजे घर में ताला लगाकर अपने भाई के दशगात्र कार्यक्रम में आदित्य नगर तितुरडीह दुर्ग गई थी। शनिवार सुबह लौटी तो देखा कि घर के दरवाजे में ताला नहीं लगा था। अंदर जाकर देखा तो आलमारी पूरी खुली हुई थी। उसमें रखे नगदी, पुरानी इस्तेमाली एक सोने का मंगलसूत्र, एक जोड़ी झुमका, सोने की चेन, दो जोड़ी चांदी की पायल चोरी हो गई है।

सूने घर का ताला तोड़कर 50 हजार, जेवरात की चोरी

राजनांदगांव। राजनांदगांव7 डोंगरगांव इलाके के ग्राम परना में सूने घर का ताला तोड़कर 70 हजार की चोरी कर ली। इसमें 50 हजार रुपए नकद सहित 20 हजार के सोने के आभूषण शामिल हैं। घटना शुक्रवार-शनिवार दरमियानी रात की है। पुलिस ने बताया कि परना निवासी रोहित दास शोक कार्यक्रम में शामिल होने भिलाई गए थे। शनिवार को लौटे तो उनके मकान का ताला टूटा हुआ था। लोहे की पेटी से 50 हजार रुपए नकद सहित जेवरात चोरी कर पेटी को घर के पीछे हिस्से की खेत में फेंक दी थी। शिकायत के बाद पुलिस टीम आरोपी की पतासाजी कर रही है।

आज से इतना बदल गया कानून, ऐसे दर्ज की जाएगी FIR, अधिकारियों को दी जा रही ट्रेनिंग

रायपुर (ए.)। आज 1 जुलाई के साथ ही भारतीय न्याय संहिता में एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है केंद्र सरकार द्वारा लाए गए इस बदलाव के तहत भारतीय न्याय संहिता में कई धाराएं बदल जाएगी वहीं पुलिस विभाग के भी कई नियमों में परिवर्तन देखने को मिलेगा।

नए कानून के तहत पुलिस के काम करने के तरीके में भी कई अहम बदलाव देखने को मिलेगा नए कानून के लिए पुलिस अनुसंधान के अधिकारियों को इसकी ट्रेनिंग दी जा रही है यह सभी कानून आज 1 जुलाई से लागू हो जाएंगे।

अब तक हत्या के आरोप में 302 के तहत कार्रवाई होती थी लेकिन अब इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103 के तहत कार्रवाई होगी ऐसे ही धोखाधड़ी करने वालों पर धारा 420 के तहत अपराध दर्ज होता था इसमें भी अब बदलाव कर इसे भारतीय न्याय संहिता की धारा 316 कर दिया गया है। इसी तरह सामूहिक हत्या में पहले कोई धारा नहीं थी। लेकिन अब मॉब लीचिंग के तहत फांसी की सजा दी सजा सकेगी इसी तरह दुष्कर्म के लिए 376 की जगह 64 बीएस लगाई जाएगी। बता दें कि द्वश्चष् 1960 की 511 धारा थी जिन्हें अब नए कानून भारतीय न्याय संहिता में घटाकर 358 कर दिया गया है।

इसके लिए पुलिस अनुसंधान के अधिकारियों को ट्रेनिंग दी जा रही है यह सभी कानून आज 1जुलाई से लागू हो जाएंगे। यानी इंडियन पेनल कोड की जगह भारतीय न्याय संहिता और क्रिमिनल प्रोसीजर कोड की जगह भारतीय नागरिक संहिता अधिनियम लागू हो जाएगा।

नए कानून के तहत पुलिस के काम करने के तरीके में भी कई आम बदलाव देखने को मिलेगा नए कानून के अनुसार किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तार करने पर पुलिस को उसके परिवार को जानकारी देनी होगी किसी भी केस में 90 दिन में क्या हुआ इसकी जानकारी पीड़ित को देनी होगी। अब अगर आरोपी 90 दिन में कोर्ट में पेश नहीं होगा तो उसकी गैर मौजूदगी में भी ट्रायल चल जाएगा वही शाम 5:00 बजे के बाद किसी को हिरासत में नहीं लिया जा सकेगा। ऐसी अनेक बाते है जो इस नए कानून में आएंगी।

दिनदहाड़े महिला शिक्षिका से लाखों की लूट

सम्मोहन के जाल में फंसाकर दिया घटना को अंजाम

कोंडागांव। जिले के सिटी पुलिस थाना से महज 150 मीटर की दूरी पर दिन-दहाड़े लुटेरों ने एक महिला शिक्षिका को संम्मोंहन के जाल में फंसाकर लाखों रुपये की लूट की घटना को अंजाम दिया। लुटेरे ने महिला शिक्षिका को इस कदर सम्मोहित कर दिया कि उसने स्वयं ही आपना बैग लुटेरों को सौंप दिया, जिसे लेकर सम्मोहन में माहिर लुटेरे फरार हो गए। महिला शिक्षिका की रिपोर्ट पर पुलिस लुटेरों की तलाश कर रही है। कोंड़ागांव में इस तरह की यह पहली वारदात है, जो चर्चा का विषय बना हुआ है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सरगीपाल निवासी रेखा ठाकुर कोंडागांव विद्यालय में शिक्षिका के पद पर कार्यरत है। अपने निजी कार्य से घर से निकली थी साथ ही कुछ स्वास्थ्य दिक्कतों के चलते उन्हें अस्पताल वार्ड में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में किसी डॉक्टर से परामर्श करना था। जिसके लिए उनके द्वारा 2 बाइक सवार ठग लुटेरों से उन्होंने पूछ लिया कि फ्लाना डॉक्टर कहा बैठते है। उन अज्ञात ठगों ने महिला शिक्षिका को बताया कि हम हरिद्वार के रहने वाले है, कुछ बाते होने के पश्चात महिला शिक्षिका को उन ठगियों द्वारा सम्मोहित कर दिया गया और महिला ने अपना बैग जिसमें पीड़िता के मुताबिक पर्स में छह तोला सोने के आभूषण, 10 से 15 हजार नगदी, पासबुक, ब्लैंक चेक, आधार कार्ड, लोकसभा चुनाव का आई कार्ड, घर की चाबी व अन्य जरूरी दस्तावेज रखा था। उसे उन ठगों के हवाले कर दिया। जिसके बाद ठग गाड़ी में बैठे और वहां से चले गए और महिला को ठगों के जाने के बाद जब याद आया कि मेरा बैग कहां है। तब इधर-उधर घूमती रही फिर कोतवाली जाकर परा घटनाक्रम बताते हुए लूट कर रिपोर्ट दर्ज करवाई ।पुलिस को पूरा मामला को खंगालने में टाइम तो लगा जिसके बाद आखिर पूरा मामला तब समझ मे आया कि मामला लूटने व छीनने का नही बल्कि सम्मोहन करने का था। पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंचकर जांच कर रही है।

पेट्रोल पंप संचालक का अपहरण कर पिटाई पत्नी से अवैध संबंध होने का शक

■ मोबाइल लूटने के बाद रास्ते में छोड़कर भागे आरोपी, पति सहित तीन गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। पेट्रोल पंप के मालिक के साथ पत्नी का अवैध संबंध होने की आशंका पर उसके ही कर्मचारी ने अपने साथियों के साथ मिलकर अपहरण कर मारपीट कर दी। जिसके बाद उसका मोबाइल लूटकर कार के ड्राइवर की भी पिटाई कर दी। इस दौरान मोबाइल लूट कर उन्हें रास्ते में छोड़कर भाग गए। इस केस में पुलिस ने पति समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

सीएसपी पूजा कुमार ने बताया कि जगमल चौक निवासी दुर्गा यादव (32) ने अपहरण की शिकायत की। जिसमें उसने बताया कि उसका पति भोला उर्फ शेखर यादव (47) बिल्हा मोड़ के पास स्थित पेट्रोल पंप में काम करता है, जिसके संचालक जीतू अग्रवाल हैं। पेट्रोल पंप के मालिक जीतू अग्रवाल अपने साथ दुर्गा, उसके पति भोला व बच्चों को वृंदावन घुमाने लेकर गया था। जहां भोला को दुर्गा और अपने मालिक जीतू अग्रवाल के बीच अवैध संबंध का शक हुआ। इससे गुस्साए भोला ने वापस लौटते समय कटनी के पास मालिक से विवाद किया। इससे नाराज जीतू अग्रवाल ने भोला को कार से उतार दिया और उसकी पत्नी दुर्गा और बच्चों को लेकर शहर आ गया।

घर पहुंचने पर पत्नी से की मारपीट

दूसरे दिन 26 जून को भोला किसी तरह बिलासपुर पहुंचा। घर पहुंचने के बाद उसने अवैध संबंध की बात को लेकरअपनी पत्नी के साथ मारपीट की। उसकी पत्नी दुर्गा यादव ने इसकी जानकारी जीतू अग्रवाल दी, जिस पर जीतू अग्रवाल ने दुर्गा और उसके बच्चों को चकरभाठा स्थित एक होटल में रुकवा दिया। इधर भोला ने जीतू अग्रवाल को बातचीत करने के बहाने अपने घर बुलाया।

दोस्तों के साथ मिलकर किया अपहरण, मारपीट कर लूट लिए मोबाइल

जीतू अग्रवाल उसके घर पहुंचा, तब शेखर यादव ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर जीतू अग्रवाल और ड्राइवर त्रिलोचन की जमकर पिटाई कर दी। इस दौरान दोनों का अपहरण कर उनकी कार में कोनी-रतनपुर रोड तरफ लेकर गए। इस दौरान उन्होंने जीतू का मोबाइल लूट लिए। रास्ते में सेंदरी के पास कार खराब होने पर दोनों को छोड़कर भाग गए। इस हमले में जीतू अग्रवाल व उसका ड्राइवर घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

कर्मचारी समेत तीन गिरफ्तार, एक आरोपी फरार

मामला सामने आने के बाद पुलिस ने जीतू अग्रवाल से पूछताछ की, जिसमें उसने घटना की जानकारी दी। उसने बताया कि सेंदरी के पास कार खराब होने पर भोला और उसके साथी उन्हे छोड़कर भाग निकले। अपहरण का मामला सामने आने पर पुलिस ने शेखर यादव और उसके साथियों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने मामले में भोला यादव, जगमल चौक निवासी रोहन श्रीवास उर्फ नान्हे (20) व देवरीखुर्द निवासी अजीत विश्वास (24) को गिरफ्तार किया है। उनके पास से जीतू अग्रवाल का मोबाइल भी बरामद किया गया है। वहीं एक अन्य आरोपी लल्ला यादव फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950